INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-217 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

नशा छुड़ाने में खर्च हो रही बड़ी रकम

परिजन जब अपने पाल्य की ऐसी हालत से परेशान होते हैं तो उसे नशा मुक्ति केंद्रों में भर्ती कराते हैं। इलाज और रहने-खाने पर परिवार को हजारों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। कई परिवारों के लिए यह खर्च भी भारी पड़ता है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि केंद्र से बाहर आने के बाद कुछ युवक दोबारा नशे की गिरफ्त में चले जाते हैं। ऐसे में परिवार के सामने इलाज, खर्च और भविष्य को लेकर फिर वही संकट खड़ा हो जाता है।

कार्रवाई के बावजूद नहीं टूटा रहा नेटवर्क

नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस और प्रशासन की ओर से समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं। कार्रवाई में नशीली वस्तुओं की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी भी होती है, लेकिन इसके बावजूद नशे की उपलब्धता पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। नशे के सौदागर जेल से आने के बाद स्वयं फिर से नशे के धंधे को शुरू कर देते हैं।

वैसे, उनके जेल जाने के बाद नशा बिक्री का खेल चलता रहता है। स्थानीय पुलिस भी नशे को कमाई का जरिया बना लेती है।

राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर विशेष

आज नशा छोड़ने का संकल्प कल बेहतर जिंदगी का विकल्प

घर का सामान बेचने से लेकर चोरी तक पहुंच रही लत, गांव से शहर तक फैला नशे का जाल

गलत संगत का असर होने से शुरु हुआ नशा आ पहुंचा है अब इंजेक्शन और स्मेक पर

यूनिक समय, मथुरा। विजय तीन साल पहले युवा अवस्था की दहलीज पर पैर रखने के चंद साल पहले दुनिया छोड़ गया। वह शुरूआत में हल्का नशा लेता था। नशे की संगत और बढ़ी तो इंजे क शन लेना शुरू कर दिया।

नशा की जरूरत जब इंजेक शन से पूरी नहीं हुई तो स्मैक का आदी हो गया। नशे का ऐसा आदी हुआ कि परिवार वाले कुछ कर पाते, वह दुनिया छोड़ गया। विजय जैसे दर्जनों युवा आज इंजेक्शन और स्मैक का नशा लेकर स्वयं और परिवार को नष्ट करने में लगे हैं।

नशे की लत सिर्फ एक युवक की जिंदगी नहीं बिगाड़ रही, बल्कि पूरे परिवार को आर्थिक और मानसिक संकट में धकेल रही है। नशे की जरूरत पूरी करने के लिए गंभीर नशा के आदी युवा घर का सामान तक बेच रहे हैं। जब घर से बेचने के लिए कुछ नहीं मिलता तो आसपास से सामान चोरी कर उसे

रकम जुटाने के मामले भी सामने आ रहे हैं। नशे का यह जाल गांवों से लेकर शहरों तक फैलता जा रहा है। चाय और गुटखा की छोटी-छोटी दुकानों की आड़ में नशीली वस्तुओं की बिक्री की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। गली- मुहल्लों में बिक रहीं जहरीली पुड़िया और मेडिकल स्टोर्स पर नशे के इंजेक्शन नशा का असर कम नहीं होने दे रहे हैं। युवाओं को नशीला सामान आसानी से उपलब्ध होना चिंता बढ़ा रहा है। शुरुआत में शौक या दोस्तों की संगत में लिया गया नशा कब आदत और फिर जरूरत बन जाता है, इसका पता परिवार को तब चलता है जब हालात हाथ से निकल चुके होते हैं।

परिवारों के सामने दोहरी चुनौती

नशे की गिरफ्त में आए युवक के व्यवहार में बदलाव से परिवार का माहौल प्रभावित होता है। पैसे की मांग, झगड़ा, सामान बेच देना और चोरी जैसी घटनाएं रिश्तों में तनाव पैदा करती हैं। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से समस्या को छिपाते रहते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। आज चुनौती केवल नशा बेचने वालों तक कार्रवाई सीमित रखने की नहीं, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रखने, समय पर काउंसलिंग और उपचार उपलब्ध कराने तथा नशा छोड़ चुके लोगों को दोबारा इसकी गिरफ्त में जाने से रोकने की भी है।

बचाव का पहला कदम

परिवार बच्चों और युवाओं से खुलकर बातचीत करे, उनकी संगत और व्यवहार में अचानक बदलाव पर ध्यान दे तथा परेशानी होने पर समय रहते परामर्श की मदद ले। सकारात्मक सामाजिक माहौल और मानसिक स्वास्थ्य सहायता भी बचाव में महत्वपूर्ण हैं।

नशा लग चुका हो तो इलाज संभव

नशे की निर्भरता को केवल आदत मानकर छोड़ना उचित नहीं है। चिकित्सकीय उपचार, परामर्श और परिवार के सहयोग से इससे निपटा जा सकता है। विशेषज्ञों की मदद से समय पर उपचार शुरू करना महत्वपूर्ण है।

लोगों की बात

नशा खराब हैं, अत्यधिक नशा स्वयं और परिवार के लिए खराब हैं। इससे परिवार की छवि खराब होती है। सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। ऐसे नशा के आदी परिवार हमेशा कलह से जुझते हैं।

-मुकेश बघेल।

स्मैक और इंजेक्शन से लिया जाने वाला नशा घातक होता है, ऐसे नशा के आदी युवाओं के परिवार आर्थिक और मानसिक स्तर पर त्रस्त रहते हैं। ऐसे परिवारों में हमेशा कलह बना रहता है।

-गौरव मिश्रा।

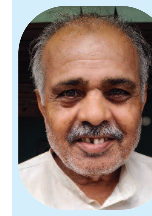

नशे का आदी होना खराब हैं। वैसे, नशा तो खराब होता ही है। नशे के आदी युवाओं को सामाजिक दुलार मिलना चाहिए, उनको अच्छे- बुरे का ज्ञान भी कराना सबसे आश्वयक है।

किशन लाल यादव।

आज युवा पीढ़ी नशे के शिकंजे में जकड़ रही है। हर शाम को काफी युवा बीयर आदि लेते देखे जा सकते हैं। परिवार के लोगों को इस ओर ध्यान देना चाहिए, ऐस बच्चों को समझाना चाहिए।

- जगदीश।

नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और परिवार दोनों को प्रभावित करता है। हमें नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए। युवाओं को नशे की बजाय शिक्षा, खेल और रोजगार की ओर ध्यान देना चाहिए।

- रवि कुमार।

नशे की गिरफ्त में युवा, नाबालिगों तक पहुंची लत

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में नशे की बढ़ती लत चिंता का विषय बनती जा रही है। शराब, मादक पदार्थ और तंबाकू के सेवन में युवाओं के साथ नाबालिग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। नशे की हालत में कई लोग सड़कों और नालियों के आसपास बेसुध पड़े दिखाई देते हैं। इसका असर उनके परिवार, आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि नशे की समस्या किसी एक उम्र तक सीमित नहीं रही है। कम उम्र के बच्चे भी इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं, जिससे उनके

डॉ.नीरज अग्रवाल
सीएमएस

नीतू सिंह
मनोवैज्ञानिक

भविष्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। नशे के कारण कई परिवारों की खुशियां और आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही हैं।

नैदानिक मनोवैज्ञानिक नीतू सिंह के अनुसार, नशे की लत के पीछे मानसिक समस्याएं, पारिवारिक कलह, स्कूल या कार्यस्थल का तनाव, कम

मानसिक समस्याओं और पारिवारिक तनाव से बढ़ रहा नशे का खतरा

इलाज के साथ नशे की मूल वजह समझना जरूरी: मनोवैज्ञानिक

उम्र में नशे की शुरुआत और दोस्तों का दबाव जैसे कारण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि उपचार के दौरान व्यक्ति के नशा करने की मूल वजह समझना जरूरी है। परिवार का सहयोग और हौसला भी नशामुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

गांजे और हेरोइन की खेपों ने खोली मथुरा में नशे की राह

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे से लेकर बंद गोदामों तक नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टीमों की लगातार कार्रवाई ने जिले में चल रहे नेटवर्क की तस्वीर सामने रखी है। पिछले महीनों में विभिन्न थाना क्षेत्रों में गांजा, हेरोइन और 'ओजी' जैसे नशीले पदार्थों की बड़ी बरामदगी हुई है।

फरह क्षेत्र में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने हाईवे पर ओडिशा से लाई जा रही 250 किलो गांजे की खेप पकड़ी थी। अगस्त में एएनटीएफ और हाईवे पुलिस ने करीब 1.172 किलो हेरोइन बरामद कर दो कथित अंतरजनपदीय तस्करों को गिरफ्तार किया। इसकी अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई गई। फरह में बंद गोदाम से 125 किलो गांजा बरामद होने के बाद सितंबर में बलदेव क्षेत्र में पुलिस, एसओजी और स्वॉट की संयुक्त टीम ने 85 किलो 260 ग्राम गांजा पकड़ा। जैंत में 60 ग्राम 'ओजी' के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार हुए, जबकि रिफाइनरी क्षेत्र में ट्रक से 2.045 किलो गांजा मिला। नशे की बड़ी खेपों का सामने आना पुलिस के लिए चुनौती बढ़ा रहा है।

नशा आदत नहीं, धीरे-धीरे जिंदगी पर करता है कब्जा: डॉ. रंजीत

मनोचिकित्सक डॉ. रंजीत चौधरी
माइंड केयर क्लिनिक, कृष्णा नगर

यूनिक समय, मथुरा। नशे की शुरुआत अक्सर छोटी कोशिश से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह व्यक्ति के जीवन पर हावी हो सकता है। दोस्तों का दबाव, जिज्ञासा, तनाव या मानसिक परेशानी नशे की शुरुआत का कारण बन सकती है। मनोचिकित्सक डॉ. रंजीत चौधरी, माइंड केयर क्लिनिक, कृष्णा नगर के अनुसार नशे की लत को केवल बुरी आदत या इच्छाशक्ति की कमी समझना उचित नहीं है। यह जटिल स्वास्थ्य समस्या है। उन्होंने बताया कि युवाओं में दोस्तों का दबाव, प्रयोग की इच्छा नशे की शुरुआत करा सकती है। वहीं वयस्कों में तनाव, अकेलापन, चिंता और अवसाद व्यक्ति को नशे की ओर धकेल सकते हैं। डॉ. चौधरी के मुताबिक नशे का असर सामाजिक, आर्थिक और शारीरिक-मानसिक जीवन पर पड़ता है। आदत बढ़ने पर व्यक्ति परिवार से दूरी बनाने, चिड़चिड़ापन, झूठ बोलने और जिम्मेदारियों से बचने लगता है। परिवार और बच्चों पर असर पड़ता है। नशे पर बढ़ता खर्च परिवार की आर्थिक स्थिति बिगाड़ सकता है। नौकरी से अनुपस्थिति, काम की क्षमता में कमी और उपचार का खर्च परेशानी बढ़ाते हैं। अत्यधिक शराब का सेवन लीवर, हृदय और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर सकता है। तंबाकू से कैंसर, हृदय और फेफड़ों की बीमारियों का खतरा बढ़ता है। अन्य नशीले पदार्थ नींद, याददाश्त और निर्णय क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। चिंता, अवसाद, चिड़चिड़ापन और घबराहट जैसी मानसिक समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। डॉ. रंजीत चौधरी ने कहा कि नशे की लत का उपचार संभव है। इसके लिए चिकित्सकीय मूल्यांकन, काउंसलिंग, आवश्यक दवाएं और नियमित फॉलोअप की जरूरत पड़ सकती है। लंबे समय से नशा करने वाले व्यक्ति को चिकित्सकीय सलाह के बिना अचानक नशा बंद नहीं करना चाहिए। परिवार को भी अपमानित करने के बजाय उपचार में सहयोग देना चाहिए। उन्होंने कहा, "नशे को छिपाइए नहीं-उसका इलाज कराइए। लत से मुक्ति संभव है, बस पहला कदम समय पर उठाना जरूरी है।" ADVT.

दान में मिली धातु की शुद्धता मौके पर जांचेगा जन्मस्थान

श्रद्धालु के सामने होगी कम्प्यूटराइज्ड जांच रसीद के साथ मिलेगी रिपोर्ट की प्रति

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्रद्धालुओं द्वारा दान में दी जाने वाली धातु सामग्री की शुद्धता जांचने के लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है। अब दान में प्राप्त धातु की मौके पर ही अत्याधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन से वैज्ञानिक जांच की जाएगी। जांच के बाद ही दान स्वीकार कर उसकी रसीद जारी होगी। दानदाता को टेस्टिंग रिपोर्ट की एक प्रति भी उपलब्ध कराई जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि मशीन से धातु की शुद्धता के साथ उसमें मौजूद विभिन्न धातुओं की मात्रा की भी सटीक जानकारी मिल सकेगी। जांच श्रद्धालु के सामने की जाएगी। रिपोर्ट पर श्रद्धालु के हस्ताक्षर और मोबाइल नंबर दर्ज होंगे, जबकि दूसरी प्रति संस्थान के अभिलेख में सुरक्षित रखी जाएगी।

उन्होंने बताया कि मशीन की खासियत यह है कि धातु सामग्री को काटे, तोड़े या उसके स्वरूप में बदलाव किए बिना उसकी जांच की जा सकेगी। इससे धार्मिक और भावनात्मक महत्व रखने वाली दान सामग्री का मूल स्वरूप सुरक्षित रहेगा।

श्रद्धालु को तत्काल यह जानकारी भी मिल सकेगी कि दान की गई सामग्री में संबंधित धातु की वास्तविक शुद्धता कितनी है।

हुण्डी की धातु भी जांच के दायरे में

हुण्डी और दान पेटिका से प्राप्त धातु सामग्री की जांच दान गणना कक्ष में निर्धारित प्रक्रिया के तहत की जाएगी। पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी की निगरानी में होगी और टेस्टिंग रिपोर्ट के आधार पर सामग्री की प्रविष्टि संबंधित रजिस्टर में दर्ज की जाएगी। सचिव के अनुसार, प्रस्तावित मशीन का डेमो ट्रस्टी श्यामसुंदर चौधरी और अन्य पदाधिकारियों, अधिकारियों की मौजूदगी में संस्थान में किया गया, जो संतोषजनक रहा। दान गणना पहले से ही सीसीटीवी निगरानी में कर्मचारियों, सुरक्षा प्रहरियों और स्वतंत्र पर्यवेक्षक की मौजूदगी में होती है नई जांच व्यवस्था से दान प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और श्रद्धालुओं को उनकी दान सामग्री की शुद्धता का प्रमाण उपलब्ध रहेगा।

परिवार सर्वेक्षण में 877 बच्चे मिले विद्यालय से बाहर

मथुरा विकास खंड में सर्वाधिक 132, फरह में 121 और चौमुहां में 87 विद्यार्थियों की पहचान

बीएसए रतन कीर्ति

यूनिक समय, मथुरा। जिले में शिक्षा से दूर बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाने के लिए चलाए गए परिवार सर्वेक्षण में 877 बच्चों का पता चला है। सत्र 2026-27 के अंतर्गत 25 सितंबर तक विकास खंड और नगर क्षेत्रवार जुटाई गई जानकारी में इन विद्यार्थियों को चिन्हित करने के साथ नामांकन की कार्रवाई की गई।

आंकड़ों में मथुरा विकास खंड सबसे ऊपर रहा, जहां 132 बच्चों की पहचान हुई। इसके बाद फरह में 121 तथा छौमुहां में 87 बच्चे सामने आए। विभाग अब ऐसे विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। परिवार सर्वेक्षण के माध्यम से उन बालकों तक पहुंच बनाना है, जो किसी कारणवश विद्यालय नहीं जा रहे हैं अथवा पढ़ाई छोड़ चुके हैं। क्षेत्रीय स्तर पर घर–घर जाकर परिवारों से जानकारी जुटाई गई। बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि पात्र बच्चों को उनकी आयु तथा शैक्षिक स्थिति के अनुसार विद्यालय में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। विकास खंडवार स्थिति में मथुरा के 132 बालक-बालिकाएं शिक्षा व्यवस्था से बाहर पाए गए। फरह में 121, चौमुहां में 87, गोवर्धन में 82, मांट में 76 और छाता में 72 विद्यार्थियों का विवरण दर्ज हुआ। राया में 56, नौहझील में 53, नंदगांव में 40 और बलदेव में 35 बच्चे मिले। नगर क्षेत्रवार रिपोर्ट में मथुरा के 101 और वृंदावन के 22 बच्चों को सूचीबद्ध किया गया। कोसीकलां में 25 सितंबर तक ऐसा कोई विद्यार्थी नहीं मिला।

बीएसए ने कहा कि सर्वेक्षण के बाद विभागीय स्तर पर बच्चों को नजदीकी विद्यालयों से जोड़ने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। आयु के अनुरूप कक्षा तय करने, नामांकन कराने और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है।

कचरे में लगाई आग, झुलस गए पेड़

राया कस्बा के समीप कचरे की आग से झुलसते पेड़।

यूनिक समय, मथुरा। कस्बों के आसपास राहों के किनारे फेंके जाने वाले कचरे से हरियाली का वजूद खतरे में पड़ रहा है। गुरुवार को राया कस्बा के समीप सड़क किनारे फेंके गए कचरे में आग लगाए जाने से कई पेड़ झुलस गए, कुछ तो जल गए। जानकारी पर पहुंची वन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। राया से मथुरा आने वाले मुख्य मार्ग पर कस्बा से कुछ आगे किसी अज्ञात ने वहां फैले कचरे में आग लगा दी। आग धीरे- धीरे सुलगती रही, कुछ देर बाद बयार चली तो आग तेज हो गई। आग की लपटों ने आसपास खड़े कई नींम के पेड़ों को आगोश मे लेना शुरू कर दिया। तेज आग की वजह से पेड़ जलने लगे। यह जानकारी किसी राहगीर ने वन विभाग के प्रभागीय निदेशक वेंकटा श्रीकर पटेल को दी। इस पर प्रभागीय निदेशक ने वन विभाग की टीम को तत्काल मौके पर जाकर आग को काबू करने को कहा। बताते हैं कि जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, कई पेड़ जल गए, जबकि कुछ काफी झुलस गए। आग लगने का किसी राहगीर द्वारा बनाया गया वीडियो दिनभर इंटरनेट मीडिया पर छाया रहा।

जानकारी पर पहुंची वन विभाग की टीम, आग को किया काबू

17 वर्षीय किशोरी लापता, युवक के साथ जाने की शिकायत

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र की बसंत विहार कॉलोनी निवासी एक महिला ने अपनी 17 वर्षीय पुत्री के लापता होने की शिकायत पुलिस से की है। तहरीर के अनुसार, किशोरी 29 सितंबर को दोपहर करीब तीन बजे बिना बताए घर से चली गई। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। शिकायत में बताया गया कि राहुल निवासी गोवर्धन के साथ किशोरी कहीं चली गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुकुट पूजन से तीन को रामलीला महोत्सव का शुभारंभ

श्रीकृष्ण जन्मस्थान से निकलेगी भव्य शोभायात्रा, 21 दिवसीय आयोजन में सहभागिता की अपील

यूनिक समय, मथुरा। श्री रामलीला सभा की ओर से आयोजित 21 दिवसीय श्री रामलीला महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। महोत्सव का शुभारंभ तीन अक्टूबर को मुकुट पूजन और गणेशजी की भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। सभा पदाधिकारियों ने धर्मप्रेमी जनता से महोत्सव में सहभागिता करने की अपील की है।

सभा के सभापति जयंती प्रसाद अग्रवाल और महामंत्री मूलचंद गर्ग ने बताया कि तीन अक्टूबर को सुबह 10 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान रंगमंच पर वेदोक्त रीति से श्री गणपति, वरुण आदि देवताओं का पूजन किया जाएगा। इसके बाद श्रीराम, जानकी, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न, हनुमानजी, ब्रह्मा और शिव आदि के मुकुट और पोशाकों का पूजन होगा। सभी स्वरूपों और अन्य पात्रों का वरण–बन्धन भी किया जाएगा।

जुलूस मंत्री विनोद सर्राफ ने बताया कि शाम चार बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान गेट नंबर एक गोविंद नगर से श्री गणेशजी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें आकर्षक झांकियां, काली अखाड़े और प्रसिद्ध बैंड शामिल होंगे।

श्रीराम, जानकी, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न और हनुमानजी के स्वरूप चांदी के सिंहासन पर विराजमान होकर शोभायात्रा की शोभा बढ़ाएंगे। शोभायात्रा श्रीकृष्ण जन्मस्थान गेट नंबर एक से शुरू होकर डीग गेट, मंडी रामदास, चौक बाजार, स्वामी घाट, छत्ता बाजार, होलीगेट, कोतवाली रोड, भरतपुर गेट और दरेसी रोड होते हुए पुनः श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर संपन्न होगी।

इस अवसर पर गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, रविकांत गर्ग, जयंती प्रसाद अग्रवाल, जुगलकिशोर अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, प्रदीप कुमार सर्राफ पीके, विजय कुमार सर्राफ किरोड़ी, शैलेष अग्रवाल सर्राफ, अजय मास्टर, नगेन्द्र मोहन मित्तल, पं. शशांक पाठक, दिनेश सदर, संजय बिजली, सुरेंद्र शर्मा खोना, अजय कांत गर्ग, प्रदीप गोस्वामी, पं. अमित भारद्वाज, शैलू हकीम, मदनमोहन श्रीवास्तव, विजय बहादुर सिंह, अनूप टैंट, राज नारायण गौड़, बौबी हाथी, हिमांशु सूतिया, विवेक सूतिया, चिंताहरण चतुर्वेदी, गौरव सजावट, योगेश आवा, राजीव शर्मा, रवि प्रकाश साड़ी वाले, आनंद कुमार साड़ी वाले, संजय किरोड़ी, अजय सर्राफ, पवन बबलू सर्राफ आदि ने शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने और पुष्पवर्षा कर स्वागत करने का अनुरोध किया।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत, कंटेनर चालक फरार

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत क्षेत्र में दिल्ली-आगरा हाईवे पर तुलसी मोटर्स के सामने तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा 22 सितंबर को दोपहर करीब एक बजे हुआ था, जिसकी प्राथमिकी अब दर्ज कराई गई है। ताजपुर, सादाबाद, हाथरस निवासी हरिओम अपने पिता को मोटरसाइकिल पर बैठाकर रनवारी छाता से गांव जा रहे थे। इसी दौरान दिल्ली की ओर से आए टाटा कंटेनर ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में हरिओम के पिता सड़क पर गिर गए और कंटेनर का पहिया उनके ऊपर से निकल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि कंटेनर चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। हरिओम की तहरीर पर थाना जैत पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सफाई कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह के गांव कवायला में एक प्राइवेट सफाईकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गांव कवायला निवासी राकेश पुत्र प्रभूदयाल प्राइवेट रुप से सफाई का काम करता था। बताया गया कि बीती रात उसकी हालत एकदम अचानक खराब हो गई। परिवार के लोग उसे चिकित्सक के पास ले गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राकेश की छह बेटियां है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। परिवार में वह अकेला कमाने वाला था।

महिला से मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप

यूनिक समय, मांट। थाना क्षेत्र के नगला देह गांव निवासी सीमा ने गांव के ही रंधीर और राधेश्याम के खिलाफ मारपीट, छेड़छाड़ और धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना तीन सितंबर की सुबह करीब सात बजे की बताई गई है। सीमा का आरोप है कि वह गोबर डालकर वापस घर लौट रही थीं, तभी रास्ते में रंधीर ने उन्हें पीछे से पकड़कर गिराने का प्रयास किया। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट और छीनाझपटी की गई, जिससे उन्हें चोटें आईं। शोर सुनकर मौके पर उनके देवर भूपेंद्र तथा अन्य ग्रामीण पहुंच गए। आरोप है कि कुछ देर बाद राधेश्याम भी मौके पर आया और अपने बेटे का पक्ष लेते हुए मारपीट करने लगा। दोनों ने उन्हें और उनके पति को धमकी भी दी।

पति और ससुर ने की महिला से मारपीट और अभद्रता

यूनिक समय, नौहझील। थाना क्षेत्र में महिला से गाली–गलौज, मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। ग्राम सल्ल निवासी नीतू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 सितंबर की रात करीब नौ बजे वह अपने भाई विष्णु को लेकर गांव से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर गांव सल्ल के रमन और रमेश ने उसके साथ मारपीट की तथा अभद्रता की। आरोपित उसके पति और ससुर हैं।

जमुना पार से युवक लापता

यूनिक समय, मथुरा। जमुनापार थाना क्षेत्र से एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। करन सिंह निवासी लखन नगर कॉलोनी, जमुनापार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बड़ा बेटा राजपाल सिंह चार सितंबर को शाम करीब चार बजे घर से निकला था। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। परिजनों ने युवक की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका।

मकान का ताला तोड़कर जेवर और नकदी चोरी

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र की राधा कृष्णा कॉलोनी, गोपालबाग निवासी महिला के कमरे का ताला खोलकर अज्ञात चोर जेवर और नकदी चोरी कर ले गया। घटना 24 सितंबर की है। अनीता के अनुसार, वह इलाज के लिए सरकारी अस्पताल कोसीकलां गई थीं। घर पर ताला लगा हुआ था और चाबी कमरे के नीचे फ्रिज पर रखी थी। वापस लौटने पर कमरे का ताला खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी खोलने पर उसमें रखे सोने के कानों के टॉप्स और करीब 15 हजार रुपये गायब मिले। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गैंगस्टर एक्ट में तीन पर एफआईआर दर्ज

यूनिक समय,जैत। थाना पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त तीन आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। गैंग का सरगना संदीप उर्फ संजय उर्फ टिंकू पुत्र मुकेश उर्फ सुनील, निवासी गांव जोगीपुरा, थाना हापुड़ देहात, जिला हापुड़ है। इसके अलावा सोनी उर्फ मोनू पुत्र सतपाल और कार्तिक पुत्र सतपाल, दोनों निवासी गांव लडपुरा, थाना भावनपुर, जिला मेरठ के गिरोह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बिजलीघर में विवाद के बाद संविदाकर्मी को मारी गोली

सीने में गोली लगने से घायल कर्मचारी आगरा रेफर, गार्ड गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर चौकी क्षेत्र स्थित बिजलीघर में देर रात ड्यूटी के दौरान सुरक्षागार्ड और विद्युत विभाग के संविदाकर्मी के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच मारपीट हुई। इसी दौरान सुरक्षागार्ड ने अपनी बंदूक से संविदाकर्मी के सीने में गोली मार दी। गंभीर घायल कर्मचारी को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने उसे आगरा रेफर कर दिया। पुलिस ने सुरक्षागार्ड को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त बंदूक भी कब्जे में ले ली है।

बताया गया कि कृष्णानगर बिजलीघर पर बीती रात सुरक्षागार्ड नेत्रपाल और विद्युत विभाग में संविदा पर कार्यरत दीपक ड्यूटी पर थे। देर रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई।

इसके बाद विवाद बढ़ने पर दोनों में मारपीट शुरू हो गई। घटना के समय बिजलीघर पर कोई अन्य कर्मचारी मौजूद नहीं था। आरोप है कि मारपीट से आक्रोशित नेत्रपाल ने अपनी बंदूक उठाकर दीपक पर गोली चला दी। गोली उसके सीने में लगी और वह मौके पर गिर पड़ा। गोली चलने की आवाज सुनकर बिजलीघर के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे। दीपक को खून से लथपथ देखकर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में आगरा रेफर कर दिया।

पुलिस ने गार्ड को किया गिरफ्तार, बंदूक जब्त

घटना की सूचना मिलते ही कृष्णानगर पुलिस बिजलीघर पहुंची। पुलिस के अनुसार, सुरक्षागार्ड नेत्रपाल ने मौके पर आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने गोली चलाने वाली बंदूक भी कब्जे में ले ली। नेत्रपाल की तैनाती सैनिक कल्याण बोर्ड की ओर से सुरक्षा गार्ड के रूप में की गई थी। पुलिस दोनों के बीच विवाद के कारणों की जांच कर रही है।

भूतेश्वर स्टेशन पर पांच ट्रेनों का ठहराव दो से 15 अक्टूबर तक रहेगा निरस्त

रेलवे अवसंरचना विकास कार्य के चलते लिया गया निर्णय

यूनिक समय, मथुरा। भूतेश्वर रेलवे स्टेशन पर रेलवे अवसंरचना के विकास कार्य के चलते पांच ट्रेनों का ठहराव अस्थायी रूप से निरस्त किया गया है।

रेलवे की ओर से भूतेश्वर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर एक को हटाकर नई अप मुख्य लाइन बिछाने का कार्य कराया जा रहा है। इसके चलते यह व्यवस्था दो अक्टूबर से 15 अक्टूबर बंद रहेगी। इस अवधि में भूतेश्वर स्टेशन पर पांच ट्रेनों का ठहराव नहीं होगा। इनमें 64958 पलवल-आगरा कैंट दैनिक, 64074 नई दिल्ली-धौलपुर दैनिक, 64016 शकूरबस्ती-मथुरा जंक्शन दैनिक, 64904 गाजियाबाद-मथुरा जंक्शन दैनिक और 64910 शकूरबस्ती-मथुरा जंक्शन दैनिक ट्रेन शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

कलेक्ट्रेट में डीएम को ज्ञापन देने आए सीपीआई के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर विभिन्न वामपंथी दलों ने राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया कि 23 सितंबर 2026 को निर्वाचन आयोग से संबंधित खबर के अनुसार बीते 10 महीनों में आयोग द्वारा लिए गए 14 फैसलों का विरोध किया गया है। इनमें मतदाताओं के नाम हटाने सहित अन्य फैसले शामिल हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि मतदाता सूची के डाटा को लेकर भी अधिकारियों को परेशान किया गया तथा आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। वाम दलों ने कहा कि निर्वाचन आयोग लोकतंत्र का महत्वपूर्ण संस्थान है और उसकी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कार्यप्रणाली बनाए रखना जरूरी है। ज्ञापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने, एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने तथा इसके तहत बाहर किए गए लोगों के मतदान अधिकार बहाल करने की मांग की गई। इसके अलावा निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति मौजूदा व्यवस्था के बजाय ऐसी चयन समिति के माध्यम से करने की मांग की गई, जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश शामिल हों। ज्ञापन देने वालों में पार्टी के पदाधिकारी शामिल रहे।

भिखारी की हत्या करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास

तीस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगया, लूट के मामले में किया दोषमुक्त

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश-अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) न्यायालय कक्ष संख्या दो ने अज्ञात भिखारी की हत्या करने के मामले में अभियुक्त को आजीवन कारावास और तीस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

सहायक शासकीय अधिवक्ता रागनी गांधी और लोक अभियोजनक रामपाल ने बताया कि वृंदावन में 17 फरवरी 2021 में एक अज्ञात व्यक्ति का शव लहूलुहान हालत में हरिनिकुंज चौराहे के समीप गिरिराज कृपा अतिथि भवन की बेसमेंट मार्केट में हार्डवेयर की दुकान के समाने पड़ा हुआ था।

उसके चहरे और सिर पर चोट हैं। उप निरीक्षक शैलेंद्र कुमार शर्मा ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अज्ञात व्यक्ति की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण सिर में लगी चोट आया। शैलेंद्र शर्मा की तहरीर पर इस मामले में अज्ञात की हत्या का मामला अज्ञात के खिलाफ दर्ज हुआ। जांच के दौरान अभय गिरी निवासी नामालूम (खाना बदोष) जो कि सीताराम की बगीची कालीदह वृंदावन में रह रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। उसके खिलाफ भिखारी के सिर में ईंट से प्रहार कर हत्या करने और उसके पैसे लूटने के आरोप में आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश-अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) न्यायालय कक्ष संख्या दो में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर हत्या करने के मामले में उसे उक्त सजा से दंडित किया। इसके साथ ही लूट के आरोप में दोष मुक्त कर दिया।

जैंत में मिला लापता फौजी का शव, पोस्टमार्टम हुआ

घर न पहुंचने पर परिवार वाले थे परेशान यूनिट से भी कर रहे थे जानकारी

यूनिक समय,मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र में कल मिले फौजी के शव का पुलिस ने आज पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम ग्रह पर सेना पुलिस और आर्मी अधिकारी मौजूद रहे।

बताया गया कि सैनिक गणेश खेरनार(37) पुत्र यशवंश फुला खेनार निवासी गांव पराली थाना देवड़ा जिला नासिक महाराष्ट्र 24 सितंबर को दिल्ली से छुट्टी लेकर ट्रेन से रवाना हुआ था। उसने फोन पर परिवार को अपने ट्रेन से आने की सूचना दी थी। इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा।

परिवार के लोगों ने उसके घर न पहुंचने पर उसकी यूनिट में फोन कर उसके बारे में जानकारी की। इसके बाद से उसकी तलाश की जा रही थी। थाना जैंत क्षेत्र में एक सप्ताह बाद कल उसका शव रेलवे ट्रेक के समीप पड़ा मिला। शव के पास उसका बैग अदि भी था। वह चलती ट्रेन से गिरा है अथवा उसके साथ कोई अनहोनी हुई है। इस तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

चौबीस घंटे बीतने के बाद भी लूट का सुराग नहीं

यूनिक समय,मथुरा। थाना राया क्षेत्र में जयपुर-बरेली हाईवे पर तिरवाया गांव के समीप महावन में बैनामा करने के लिए जाते ग्रामीण से तमंचा दिखाकर सात लाख की लूट करने वालों बदमाशों की तलाश में जुटी है पुलिस। इसके बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल रहा है। सरकोरिया गौरई अलीगढ़ निवासी कुलदीप को घर से बैनामा कराने के लिए बाइक से महावन जाने के दौरान जयपुर बरेली हाईवे पर तिरवाया के समीप बदमाशों ने तमंचा दिखा कर सात लाख रुपये लूट लिए थे। चौबीस घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस लूट करने वालों का पता नहीं लगा सकी है। हालांकि पुलिस ने आस–पास के सीसी टीवी कैमरों की फुटेज तलाश रही है।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

नगर निगम की भूमि से हटेगा अतिक्रमण

नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

फेंसिंग कर लगाए जाएंगे स्वामित्व बोर्ड

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने और सुरक्षित रखने के उद्देश्य से नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने गुरुवार को वार्ड संख्या पांचके भरतपुर गेट क्षेत्र में नगर निगम की भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने केआर इंटर कॉलेज के बराबर, भरतपुर गेट रोड, भैंस बहोरा मार्केट, जंक्शन रोड और वाल्मीकि वाटिका के सामने स्थित नगर निगम की भूमि का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने केशवपुर-मनोहरपुर ग्राम की खसरा संख्या 607/2 स्थित नगर निगम की भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति देखी। उन्होंने अपर नगर आयुक्त प्रियंका सिंह को निर्देश दिए कि भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए नियमानुसार तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए।

नगर निगम की जमीन के बारे में जानकारी लेते नगर आयुक्त ओजस्वी राज, साथ हैं अपर नगर आयुक्त प्रियंका सिंह आदि।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को भूमि की चारों ओर फेंसिंग कराने के साथ ही नगर निगम के स्वामित्व संबंधी बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए, जिससे भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न हो सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम की भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निगम की सभी भूमियों को चिन्हित कर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त प्रियंका सिंह, राजस्व निरीक्षक मथुरा प्रसाद, लेखपाल वेद प्रकाश सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

टैंक चौराहे से निकली स्वच्छता जागरूकता रैली

स्वच्छता अभियान में शामिल विधायक पूरन प्रकाश, छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी आकाश गर्ग आदि।

दो सौ विद्यार्थियों ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

गीले-सूखे कूड़े के पृथक्करण के लिए लोगों को किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत छावनी परिषद मथुरा की ओर से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बस स्टैंड, नदी किनारे, पार्क, बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई के साथ पेंटिंग व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में गुरुवार को 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ राष्ट्रव्यापी श्रमदान' कार्यक्रम आयोजित हुआ। टैंक चौराहे से अलीगढ़ तिराहे होते हुए छावनी परिषद कार्यालय तक करीब 200 छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली। रैली में छावनी परिषद के विद्यालयों के साथ सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। विद्यार्थियों ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग रखने का संदेश दिया। शुभारंभ विधायक पूरन प्रकाश, छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी आकाश गर्ग और नामित सदस्य ललिता देवी ने किया। विधायक ने श्रमदान में भी भाग लिया। कार्यक्रम में स्वच्छता अधीक्षक प्रमोद कुमार, स्वच्छता निरीक्षक मनोज कुमार गुप्ता, कार्यालय अधीक्षक तोताराम, प्रीती अग्रवाल सहित छावनी परिषद का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

कृष्णा नगर में स्वच्छता को लेकर निकली जागरूकता रैली

जागरूकता रैली में शामिल पार्षद चंदन आहूजा आदि।

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छता ही सेवा 2026 "हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है" अभियान के अंतर्गत पार्षद चंदन आहूजा के नेतृत्व में कृष्णा नगर वार्ड 30 में आईईसी टीम और नगर निगम मथुरा-वृंदावन के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णा नगर मुख्य मार्केट और कृष्णा नगर रोड पर जन-जागरूकता रैली अभियान चलाया गया। पार्षद चंदन आहूजा और सभी व्यापारियों ने प्रण लिया की प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने मे महत्वपूर्ण योगदान देंगे और बृज को स्वच्छ बनाने में वार्ड की जनता और व्यापारी कंधे से कंधा मिलाकर स्वच्छता अभियान मे सहयोग करेंगे। साथ ही वार्ड को स्वच्छ बनाने के लिए, पार्षद चंदन आहूजा ने कृष्णा नगर मार्केट में प्रातः 11:00 बजे और रात को 9:30 बजे कूड़ा कलेक्शन गाड़ी की व्यवस्था नियमित रूप से करवाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग टीम को दिए। जिससे सड़को पर खुले मे कूड़ा नहीं आए और डोर टू डोर कलेक्शन गाड़ी की सुविधा कृष्णा नगर के व्यापारियों को मिल सकें।

मंगल बाजार बंद कराने के लिए नगर आयुक्त ने दिए कार्रवाई के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने गुरुवार को वार्ड संख्या 35 बनखंडी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पांचजन्य प्रेक्षागृह के समीप नगर निगम की भूमि और सीवर नाले की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नाला चौक होने से सड़क पर पानी बहता मिला। नगर आयुक्त के निर्देश पर तत्काल जेसीबी से नाले की सफाई कराई गई, जिसके बाद जल निकासी सुचारु हो गई।निरीक्षण में अवैध रूप से मंगल बाजार लगाए जाने और इससे कूड़ा जमा होने की जानकारी भी मिली। नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त को मंगल बाजार बंद कराने के लिए नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

आशा कार्यकर्ताओं ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

आशा कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करती हुईं।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश आशा कार्यकर्ता-संगिनी श्रमिक संघ (एटक) की जिला इकाई ने आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं और मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपा।

गुरुवार को दिए गए ज्ञापन में आशा कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारी का दर्जा देने सहित 11 सूत्रीय मांगें उठाई गई हैं। संघ ने मांग की कि आशा कार्यकर्ताओं को 28 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाए और उन्हें ईपीएफ, मृत्यु बीमा का लाभ मिले। जिला अस्पताल में रात के समय रुकने के लिए आशा कार्यकर्ताओं के लिए उचित व्यवस्था करने, हर महीने समय से मानदेय देने तथा वर्ष में 15 दिन का अवकाश प्रदान करने की भी मांग की गई।

ज्ञापन में इसके अलावा आशाओं को 5-जी मोबाइल फोन उपलब्ध कराने,कैशलेस कार्ड बनाए जाने की मांग रखी गई। ड्यूटी के दौरान आशा कार्यकर्ता की मृत्यु होने पर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने और सीएचसी और पीएचसी पर आशाओं के बैठने की उचित व्यवस्था करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। संघ ने आशाओं को आने-जाने के लिए स्कूटी देने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलनात्मक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन देने के दौरान जिलाध्यक्ष कुसुम देवी, प्रदेश उपाध्यक्ष ऊषा शर्मा, संरक्षक राधा चौधरी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहीं।

डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए अभियान शुरू

विधायक श्रीकांत शर्मा ने जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी, 31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

यूनिक समय, मथुरा। जिले में डेंगू, मलेरिया और अन्य संचारी रोगों से बचाव के लिए संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू हो गया है। एक से 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में लोगों को साफ-सफाई रखने और मच्छरों से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा। वहीं 12 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान भी चलाया जाएगा। गुरुवार को सीएमओ कार्यालय परिसर से विधायक श्रीकांत शर्मा ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान लोगों से घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने की अपील की गई। साथ ही मच्छरदानी का प्रयोग करने और साफ-सफाई रखने के लिए जागरूक किया गया।

रैली में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, प्रशिक्षु एएनएम, आशा कार्यकर्ता, शहरी आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और नगर निगम के कर्मचारियों ने भाग लिया। रैली समापन के बाद हुई गोष्ठी में सीएमओ डॉ. राधा वल्लभ ने कर्मचारियों को संचारी रोगों से बचाव की शपथ दिलाई और अभियान को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सीएमओ ने लोगों से पानी की टंकी, ड्रम और अन्य बर्तनों को ढककर रखने की अपील की। सप्ताह में कम से कम एक बार पानी के बर्तन खाली कर उन्हें साफ करने को कहा गया। घर के आसपास पड़े पुराने टायर, टूटे बर्तन और फूलदान आदि में पानी जमा न होने देने की सलाह दी गई।

सीएमओ ने लोगों से कहा कि बुखार होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर रक्त की जांच कराएं और डॉक्टर की सलाह से दवा लेनी चाहिए। इस अवसर पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल, डॉ. अनुज चौधरी, जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. रोहिताश तेवतिया, जिला मलेरिया अधिकारी चंद्र प्रकाश मिश्र, जिला प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अनुज यादव, एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. हिमांशु, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक संतोष तिवारी, मलेरिया निरीक्षक राहुल सिंह सिसोदिया सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

नालों की स्थिति देख नगर आयुक्त ने दिए सुधार के निर्देश

जल निकासी बाधाएं दूर करने के साथ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने पर जोर

जीवीपी और डलावघर पर गंदगी से नाराजगी 10 लाख का जुर्माना

यूनिक समय, मथुरा। शहर की जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने गुरुवार को वार्ड संख्या 49 डेम्पियर नगर, वार्ड संख्या 35 बनखंडी और वार्ड संख्या पांच भरतपुर गेट क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने नालों की स्थिति, जल प्रवाह, जलभराव और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। डेम्पियर नगर में परिक्रमा मार्ग से गुरु नानक नगर स्थित नाला, कैलाश नगर नाला और जंक्शन रोड स्थित नाले के साथ बनखंडी क्षेत्र के भैंस बहोरा नाले का निरीक्षण किया।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज का स्वागत करते व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों से जल निकासी में आ रही बाधाओं की जानकारी ली। नाला निर्माण में रुकावटों को लेकर स्थानीय लोगों से संवाद कर सहयोग की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने और निर्धारित समय में पूरा कराने के निर्देश दिए। पीपल अखाड़ा के समीप नाले में गंदगी और चोक मिलने पर तत्काल सफाई कराने को कहा।

निरीक्षण के दौरान कई जीवीपी और भैंस बहोरा-सुदामापुरी डलावघर पर गंदगी मिलने पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाली कार्यदायी संस्था नेचर ग्रीन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार कूड़ा उठान और नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद मनोज कुमार, अपर नगर आयुक्त प्रियंका सिंह, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह, सहायक अभियंता सोमेश सिंह, अवर अभियंता निर्माण इमरान अंसारी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

नाला चौड़ीकरण पर व्यापारियों से नगर आयुक्त ने मांगे सुझाव

यूनिक समय, मथुरा। नवनियुक्त नगर आयुक्त ने जंक्शन रोड-भैंस बहोरा क्षेत्र का निरीक्षण कर नाला चौड़ीकरण को लेकर व्यापारियों से सुझाव लिए। व्यापार मंडल महानगर अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी ने जंक्शन रोड पर जाम से राहत के लिए नाला छोटा कर मार्ग चौड़ा करने की मांग की। नगर आयुक्त ने व्यापारियों को आश्वासन देते हुए नगर निगम में बैठक बुलाने की बात कही। कोतवाली रोड व्यापारी समिति अध्यक्ष महेश अग्रवाल हींग वालों ने होलीगेट, कोतवाली रोड व आर्य समाज क्षेत्र की बदहाल स्थिति से अवगत कराया। इस दौरान सुमित चतुर्वेदी, आशु मिश्रा, राजेश गोयल, देवेंद्र कुमार मित्तल, ताराचंद अग्रवाल, अखिलेश मिश्रा पिंटू, नरेश शर्मा, आशीष अग्रवाल, संतोष चौधरी, करणवीर मौजूद रहे।

दुवासु में एआई पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

पशुधन, डेयरी, मत्स्य और जैव प्रौद्योगिकी में उपयोग पर मंथन

कार्यशाला समापन पर मौजूद दुवासु के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनूप गुप्ता आदि।

यूनिक समय, मथुरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्व विद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान (दुवासु) के कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में 30 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 'पशुधन, डेयरी, मत्स्य एवं जैव प्रौद्योगिकी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के डीन प्रो. (डॉ.) दीपक शर्मा ने की। डॉ. दिलीप स्वैन ने समन्वयक और डॉ. नितिन वाही ने आयोजन सचिव की भूमिका निभाई।

मुख्य अतिथि जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनूप गुप्ता ने एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानवीय संवेदनाओं के महत्व पर जोर दिया। प्रथम दिन एआई स्टार्टर लैब और रेस्पॉन्सिबल एआई क्लिनिक के माध्यम से शिक्षण, अनुसंधान और उत्पादकता में जनरेटिव एआई के उपयोग पर चर्चा हुई।

दूसरे दिन जीएलए विश्वविद्यालय के प्रो. (डॉ.) दिलीप कुमार शर्मा और

विशेषज्ञों ने जिम्मेदार नैतिक एआई और डेटा सुरक्षा पर दिया जोर

टेक्नोटच सॉल्यूशंस, लखनऊ के डॉ. शुभम राय ने उच्च शिक्षा, अनुसंधान, पशु स्वास्थ्य और प्रिसीजन लाइवस्टॉक फार्मिंग में एआई की भूमिका बताई। डॉ. रिक चटर्जी और डॉ. रवि तिवारी सहित विशेषज्ञों ने भी विचार रखे।

समापन सत्र में एआई के संस्थागत उपयोग, नियामकीय दिशानिर्देश, नैतिक मानकों और डेटा सुरक्षा पर पैनल चर्चा हुई। दुवासु के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विवेकपूर्ण उपयोग समय की आवश्यकता है। कार्यशाला का समापन संभावित संस्थागत सहयोग, दुवासु एआई पोर्टफोलियो–2026, अनुभव साझा करने और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची 16 नवंबर को जारी होगी

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा–2027 के लिए जिले में परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिले के विद्यालयों का भौतिक सत्यापन पूरा कर मानकों से संबंधित रिपोर्ट बोर्ड को भेजी जा चुकी है। अब छात्रों की पंजीकरण सूची जारी होने के बाद परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। बोर्ड ने इसके लिए संशोधित समयसारिणी जारी कर दी है।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, छह अक्टूबर के बाद छात्रों के पंजीकरण की अंतिम सूची जारी की जाएगी। चयनित परीक्षा केंद्रों और विद्यार्थियों के आवंटन की सूची 22 अक्टूबर को बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। अगले दिन 23 अक्टूबर को डिबार या मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई वाले विद्यालयों की सूची डीआईओएस पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों और विद्यार्थियों

22 अक्तूबर को वेबसाइट पर अपलोड होगी केंद्र और छात्रों के आवंटन की सूची

के आवंटन की सूची को लेकर छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य या प्रबंधक को किसी प्रकार की आपत्ति या शिकायत होने पर ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कराने का अवसर मिलेगा। आपत्तियां 28 अक्टूबर तक दर्ज की जा सकेंगी। इसके बाद प्राप्त आपत्तियों का परीक्षण कर उनका निस्तारण किया जाएगा। परीक्षण और निस्तारण के बाद जिला स्तरीय केंद्र निर्धारण समिति अपनी अनुमोदित संस्तुति परिषद की वेबसाइट पर भेजेगी। इसके लिए छह नवंबर अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। इसके बाद विद्यालय-छात्र आवंटन सहित परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची 16 नवंबर को परिषद की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। इस प्रक्रिया के पूरा होने के साथ ही जिले में यूपी बोर्ड परीक्षा-2027 के परीक्षा केंद्रों की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने को लेकर बदली प्रक्रिया

यूनिक समय, मथुरा। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए परिवहन विभाग की ओर से निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होता है। लाइसेंस बनवाने की शुरुआत लर्नर लाइसेंस से होती है। आवेदक को ऑनलाइन आवेदन करने के बाद यातायात नियमों से संबंधित टेस्ट देना होता है। लर्नर लाइसेंस के लिए करीब 350 रुपये शुल्क निर्धारित है। टेस्ट में सफल होने के बाद लर्नर लाइसेंस जारी किया जाता है।

लर्नर लाइसेंस बनने के बाद निर्धारित अवधि पूरी होने पर स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाता है। इसके लिए आवेदक को ऑनलाइन स्लॉट बुक करना होता है। निर्धारित तारीख पर परिवहन कार्यालय में पहुंचकर ड्राइविंग टेस्ट देना पड़ता है। टेस्ट के दौरान वाहन चलाने की क्षमता, वाहन पर नियंत्रण और यातायात नियमों के पालन को देखा जाता है।

स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए

ऑनलाइन आवेदन से टेस्ट तक पूरा काम

करीब एक हजार रुपये शुल्क लिया जाता है। इसमें ड्राइविंग टेस्ट का शुल्क भी शामिल होता है, इसलिए टेस्ट के लिए अलग से कोई फीस नहीं देनी पड़ती। ड्राइविंग टेस्ट में सफल होने के बाद लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया पूरी की जाती है।

आवेदक को आवेदन के दौरान आधार कार्ड सहित पहचान और पते से संबंधित जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने होते हैं। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के कारण आवेदन और स्लॉट बुकिंग घर बैठे की जा सकती है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद ड्राइविंग लाइसेंस लखनऊ से बनकर आता है। सामान्य तौर पर लाइसेंस 15 से 20 दिनों के भीतर आवेदक को प्राप्त हो जाता है। एआरटीओ नीतू सिंह ने बताया कि आनलाइन प्रक्रिया से आवेदकों को काफी लाभ है।

डरना नहीं, बोलना है, बच्चों ने जाना अपना अधिकार

यूनिक समय, मथुरा। बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों और व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राजीव इंटरनेशनल स्कूल में बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम–2012 (पॉक्सो) पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छात्र-छात्राओं को पॉक्सो कानून के प्रमुख प्रावधानों, अनुचित व्यवहार की पहचान और ऐसी स्थिति में सहायता लेने के अधिकार की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में एसीजेएम मथुरा वरुण कौशिक ने विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। असहज या अनुचित व्यवहार को चुपचाप सहने के बजाय अभिभावक, शिक्षक या किसी

विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम की जानकारी देते हुए कानूनविद।

विश्वसनीय व्यक्ति से अपनी बात साझा करनी चाहिए। विधि विशेषज्ञ अधिवक्ता कृष्ण जीवन गौड़ ने कहा कि जागरूकता बच्चों की सुरक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी है। अधिवक्ता आदित्य चतुर्वेदी ने पॉक्सो अधिनियम की उपयोगिता बताते हुए विद्यार्थियों को आसपास के वातावरण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। अधिवक्ता स्वधा शर्मा ने कहा कि बच्चों को अपनी समस्याएं बताने में संकोच नहीं करना चाहिए।

आरके एज्यूकेशन हब के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि विद्यालय में ऐसा वातावरण होना चाहिए, जहां विद्यार्थी बिना भय अपनी बात कह सकें। विद्यालय के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया। प्रधानाचार्य नंदिता

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में पॉक्सो कानून पर जागरूकता कार्यशाला

न्यायिक अधिकारी और विधि विशेषज्ञों ने सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

ढींगरा ने अतिथियों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर स्वागत किया और आभार जताया। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी समस्या पर चुप रहने के बजाय विश्वसनीय व्यक्ति से बात करने का आह्वान किया।

वृद्धजन दिवस पर 325 माताओं का हुआ सम्मान

गुरुवार को कृष्ण कुटीर महिला आश्रय सदन में वृद्ध माताओं को उपहार देते जिला जज विकास कुमार आदि।

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर गुरुवार को सुनरख बांगर, नगला रामताल वृंदावन स्थित उत्तर प्रदेश महिला कल्याण निगम द्वारा संचालित कृष्ण कुटीर महिला आश्रय सदन में विधिक जागरूकता-सम्मान शिविर आयोजित किया गया। अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश विकास कुमार ने की।

शिविर में अपर जिला जज राजेश पाराशर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र, कृष्ण कुटीर महिला आश्रय सदन की प्रशासनिक अधिकारी शिल्पा मुरगई सहित आश्रय सदन का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। जनपद न्यायाधीश विकास कुमार ने कृष्ण कुटीर में निवासरत माताओं से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने उनके स्वास्थ्य, खान–पान और दैनिक आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद आश्रय सदन का निरीक्षण कर साफ-सफाई और उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवन अनुभव और आशीर्वाद समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने माताओं को

कृष्ण कुटीर में विधिक जागरूकता शिविर, अधिकारों की दी जानकारी

मांट आश्रय सदन में 130 से अधिक वृद्धजनों को बांटे वस्त्र

आश्वस्त किया कि उनकी गरिमा, सुरक्षा और आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने वरिष्ठजनों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक परामर्श और नालसा हेल्पलाइन 15100 के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में जनपद न्यायाधीश विकास कुमार और उपस्थित न्यायिक अधिकारियों ने नवासरत 325 वृद्ध माताओं को सम्मानपूर्वक साड़ी-शॉल भेंट किए और आशीर्वाद लिया। इसी क्रम में वृद्धजन आश्रय सदन, कालिंदी कुंज मांट में भी विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। पराविधिक स्वयंसेवक विनेश कुमार सनवाल द्वारा आयोजित शिविर में 130 से अधिक वृद्ध महिला–पुरुषों को वस्त्र और मौसमी फल भेंट किए गए।

कोर्ट ने दी अभियुक्त को नौ साल आठ माह की सजा

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे सप्तम् न्यायालय ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर करने और चोरी की इनोवा कार बाइक बरामद होने वाले अभियुक्त को नौ साल आठ माह की सजा और 15 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार, पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में अभियुक्त शेर खान निवासी विशंभरा थाना शेरगढ़ को गिरफ्तार करने और उसके कब्जे से एक चोरी की इनोवा और पल्सर बाइक बरामद हुई थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार

15 हजार रुपये का लगाया अर्थदंड, पुलिस मुठभेड़ और चोरी की इनोवा हुई थी बरामद

कर कोर्ट में पेश किया। उसके खिलाफ न्यायालय मे आरोप पत्र प्रेषित किया। न्यायालय एडीजे सप्तम् के कोर्ट में मुकदमे की सुनवाई हुई। कोर्ट ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

संत पधारे तो तीर्थ बना कोसीकलां

श्रद्धालुओं ने पलक पावड़े बिछाकर किया स्वागत

ब्रज चौरासी कोस यात्रा में शामिल रास बिहारी दास काठिया बाबा और अन्य संत

यूनिक समय, कोसीकलां। धन्य हुई नंद बाबा की कोशस्थली। जब वैराग्य की मूर्ति, त्याग की प्रतिमूर्ति सैकड़ों संतों ने एक साथ नगर में प्रवेश किया तो कोसीकलां की धरती सचमुच ब्रजधाम बन गई। ब्रज विदेही चतुर्भुज संप्रदाय के परमाध्यक्ष, प्रख्यात संत रास बिहारी दास काठिया बाबा के पावन सानिध्य में निकली ब्रज चौरासी कोस संत यात्रा का दृश्य इतना अलौकिक था कि जिसने भी देखा, भाव–विभोर हो गया। गुरुवार की सायं तालाब शाही से जैसे ही यात्रा प्रारंभ हुई, बैंड-बाजों पर राधे-राधे की धुन और मृदंग की थाप पर संतों का नृत्य देखते ही बन रहा था। गेरुआ वस्त्रों में, मुख पर ब्रज की रज और हृदय में राधा नाम लिए सैकड़ों संत जब नाचते–गाते चले तो ऐसा लगा मानो वृंदावन के गोलोक धाम से साक्षात देव-समाज धरती पर उतर आया हो। संतों के आगमन की सूचना पर पूरा नगर उमड़ पड़ा। नगरवासियों ने यात्रा मार्ग को फूलों, बंदनवार और रंगोलियों से दुल्हन की तरह सजाया था। दुकानों और घरों की छतों, अटारियों से महिलाओं ने संतों पर पुष्पवर्षा की। पग-पग पर आरती उतारी गई, चरण पखारे गए। बुजुर्गों ने संतों के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया तो बच्चों ने राधे-राधे कहकर उनका अभिनंदन किया। पूरा नगर राधे-राधे के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। नगर भ्रमण के पश्चात शोभायात्रा ग्यालाल स्मृति भवन पहुंची, जहां संतों के विश्राम और भंडारा–प्रसाद की दिव्य व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं ने बड़े ही श्रद्धा भाव से संत सेवा कर अपने जीवन को कृतार्थ किया। यात्रा में अशोक बठैनिया, अंकित मालविया, भाजपा नेता तरुण सेठ, सोनू गोयल पत्रकार, विष्णु पंडित, राम किशन फालैनिया, संजू जैन, हरि बल्लभ शर्मा सहित सैकडों लोग चल रहे थे।

संत सेवा से मिटते हैं सारे कष्ट: काठिया बाबा

महंत स्वामी रास बिहारी दास काठिया बाबा ने कहा कि संतों का दर्शन दुर्लभ है। संत चलते-फिरते तीर्थ होते हैं। उनका जीवन परोपकार के लिए होता है, उनके पास अपना कुछ भी नहीं होता। जो व्यक्ति सच्चे मन से संतों की सेवा करता है, भगवान उसकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं और उसके जीवन के समस्त कष्टों का निवारण हो जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रज की रज और संतों का सानिध्य बड़े भाग्य से मिलता है।

डेढ़ किलो चरस और चोरी की बाइक के साथ तस्कर गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में चरस तस्कर।

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने एक शातिर तस्कर को 1 किलो 490 ग्राम अवैध चरस और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। तभी गढ़ी बरवारी नुनहेरा रोड पर नई की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान कुम्पी उर्फ कैफ पुत्र रसूला निवासी रूंध, थाना खोह, जिला डीग राजस्थान के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से तीन पैकेट में कुल 1.490 किलो चरस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई, जो थाना कोसीकलां क्षेत्र में चोरी की गई थी।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। पकड़ा गया अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है, जिस पर जनपद के विभिन्न थानों में नौ मुकदमे पूर्व से पंजीकृत हैं।

नगर पालिका की सफाई कर्मी सुमित्रा देवी को विदाई

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर को स्वच्छ और सुंदर रखने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली नगर पालिका की सफाई कर्मचारी सुमित्रा देवी के सेवानिवृत्त होने पर पालिका परिसर में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान पालिका अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार और सभासदों ने सुमित्रा देवी को माला पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सफाई कर्मचारी ही शहर की असली शान होते हैं। सुमित्रा देवी ने अपने पूरे सेवाकाल में पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया। भावुक सुमित्रा देवी ने कहा कि नगर पालिका परिसद मेरा परिवार है। यहां सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने मुझे हमेशा बहन और बेटी जैसा सम्मान दिया। कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण चंदेल, सौरभ बाल्मीकि, पप्पू होडलिया, किशोर बाल्मीकि, सतीश बाल्मीकि, बनवारी लाल, गिर्राज बाल्मीकि, अजय बाल्मीकि सहित नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

फुटपाथों पर कब्जा करने वालों की खैर नहीं

कल से गरजेगी पालिका की जेसीबी

अतिक्रमण हटाने को प्रचार करता ई– रिक्शा वाहन।

यूनिक समय, कोसीकलां। रामलीला महोत्सव से पहले नगर पालिका ने अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का मन बना लिया है। गुरु वार को पालिका ने लाउडस्पीकर लगे ई–रिक्शा से पूरे नगर में मुनादी कराकर दुकानदारों को अंतिम चेतावनी दी है। पालिका ने कहा कि जिन दुकानदारों ने सरकारी फुटपाथों पर अवैध रूप से सामान रखकर कब्जा कर रखा है और जिन लोगों ने अपनी दुकानों के सरकारी फुटपाथों को किराए पर उठा रखा है, वे तुरंत अतिक्रमण हटा लें। यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो दो अक्टूबर को नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान यदि किसी भी दुकान के आगे सरकारी फुटपाथ पर सामान रखा मिला, नाली पर अतिक्रमण मिला या दुकानों के आगे कोई भी ठेली, फड़, गुमटी लगी नजर आई तो पालिका टीम उसका सारा सामान जब्त कर लेगी और संबंधित के खिलाफ जुर्माने के साथ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने सभी दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी दुकानों को निर्धारित सीमा में लगा लें और सरकारी फुटपाथों को तत्काल खाली कर दें, अन्यथा होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी स्वयं अतिक्रमणकारी की होगी। पालिका की इस मुनादी से अतिक्रमणधारियों में हडकंप मच गया है।

चालक को झपकी आने से यमुना एक्सप्रेस–वे पर पलटा वाहन, एक घायल

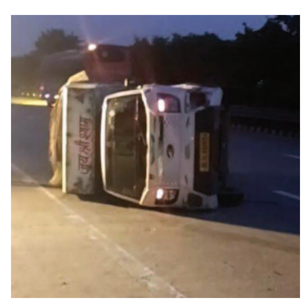
एक्सप्रेस– वे पर पलटा वाहन।

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार को उस समय हादसा हो गया, जब आगरा से नोएडा की ओर जा रहा महिंद्रा वीरो वाहन चालक को झपकी आने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वाहन सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा यमुना एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 89+000 पर आगरा से नोएडा जाने वाली साइड में हुआ। बताया गया कि महिंद्रा वीरो का चालक वाहन चलाते समय अचानक झपकी आने से नियंत्रण खो बैठा। वाहन एक्सप्रेस-वे की तीसरी लेन में पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही एक्सप्रेस-वे की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद मथुरा के निजी अस्पताल ले जाया गया। घायल की हालत फिलहाल सामान्य बताई गई है। हादसे के बाद कुछ देर मौके पर अफरा–तफरी का माहौल रहा।

प्रभारी बनने पर श्रीकांत शर्मा का स्वागत

यूनिक समय, कोसीकलां। मथुरा-वृंदावन के विधायक श्रीकांत शर्मा को भाजपा हाईकमान द्वारा हिमाचल प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर समर्थकों और भाजपा नेताओं में उत्साह है। गुरुवार को उनके निवास पर भाजपा नेता रघुवर सिंह, आरएन भारद्वाज, राजपाल सिंह और महंत पतोनीदास ने पहुंचकर दुपट्टा पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि श्रीकांत शर्मा एक अनुभवी और कुशल संगठनकर्ता हैं। उनके प्रभारी बनने से हिमाचल में भाजपा और अधिक मजबूत होगी। यह मथुरा ही नहीं पूरे ब्रज क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। विधायक श्रीकांत शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका वे पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

अग्रसेन जयंती महोत्सव में ज्ञान से लेकर स्वाद तक के होंगे मुकाबले

यूनिक समय, कोसीकलां। महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कोसीकलां अग्रवाल सभा और महिला अग्रवाल सभा ने इस वर्ष जयंती महोत्सव को भव्य रूप देने की तैयारी कर ली है। इसके तहत अग्रवाल धर्मशाला, सरायशाही में सात से 10 अक्टूबर तक लगातार चार दिन विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। सात अक्टूबर को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता से महोत्सव का आगाज होगा। इसमें जूनियर वर्ग में कक्षा पांच से आठ तक और सीनियर वर्ग में कक्षा नौ से 12 तक के छात्र–छात्राएं भाग लेंगे। प्रतियोगिता दोपहर तीन बजे से 90 मिनट की होगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल की पत्नी ज्योति अग्रवाल दीप प्रज्ज्वलन कर करेंगी। आठ अक्टूबर को दो प्रतियोगिताएं होंगी। दोपहर तीन बजे से कला (ड्राइंग) प्रतियोगिता होगी। जूनियर वर्ग (कक्षा आठ तक) का विषय प्राकृतिक सौंदर्य और सीनियर वर्ग का विषय मेरे सपनों का भारत रखा गया है। शुभारंभ सभासद रश्मी नितिन गौयल करेंगी। इसी दिन मेंहदी प्रतियोगिता होगी, जिसमें 18 से 25 वर्ष तक की युवतियां भाग लेंगी। इसका शुभारंभ मनोनीत सभासद श्वेता विकास जैन करेंगी। नौ अक्टूबर को कुकिंग विदाउट फायर प्रतियोगिता होगी। इसमें 18 वर्ष से अधिक की महिलाएं बिना आग जलाए 30 मिनट में अपने व्यंजन का हुनर दिखाएंगी। साथ ही म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता विशेष आकर्षण रहेगी। 10 अक्टूबर को महिलाओं के लिए गोलगप्पे खाओ प्रतियोगिता का रोचक मुकाबला होगा, शुभारंभ रुकमणी राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल (आर्य) करेंगी।

सुरीर में बदलते मौसम का असर, पीएचसी पर मरीजों की बढ़ी भीड़

बदलते मौसम ने बढ़ाई परेशानी, पीएचसी पर मरीजों की उमड़ी भीड़

सर्दी–जुकाम, वायरल के साथ बंदर काटने के मरीज भी पहुंच रहे इलाज कराने

डॉ. अतुल मिश्रा।

यूनिक समय, सुरीर। क्षेत्र के अंतर्गत बदलते मौसम और रात के समय बढ़ रही ठंड का असर अब लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। क्षेत्र में सर्दी-जुकाम, बुखार, खुजली और वायरल जैसी बीमारियों से परेशान मरीजों की संख्या बढ़ रही है। वहीं बंदरों के बढ़ते आतंक के बीच बंदर काटने के बाद उपचार और वैक्सीन के लिए भी लोग सुरीर स्थित पीएचसी पर पहुंच रहे हैं। सुरीर पीएचसी पर आसपास के जरारा, तेहरा, भदनवारा, नगला मोजी, फोदा नगला और टेटीगांव, भगत नगरिया, सुल्तान पुर बंगला, ओहावा, भिदोनी समेत कई गांवों से बच्चे, युवा और बुजुर्ग उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। सुबह से ही मरीजों के पहुंचने से स्वास्थ्य केंद्र पर चहल–पहल बनी रहती है। पीएचसी पर तैनात डॉ. अतुल मिश्रा के साथ फार्मासिस्ट शिवकुमार और स्वास्थ्यकर्मी शिवकुमार मरीजों को उपचार-दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। चिकित्सक मरीजों को मौसम के बदलाव के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। डॉ. अतुल मिश्रा ने बताया कि बदलते मौसम में रात के समय ठंड बढ़ने से लोग सर्दी–जुकाम, बुखार और वायरल की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में ठंड से बचाव के साथ साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, गर्म कपड़े पहनने और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा लेने से बचने की सलाह भी दी गई है। स्वास्थ्य केंद्र पर बंदर काटने के मामले आने पर लोगों को तत्काल उपचार कराने की सलाह दी जा रही है। ग्रामीणों में पंकज, टिंकू, जयंत, निवासी नगला गढ़, मथुला फोन्दा नगला, कृष्णा जरारा आदि शामिल हैं। चिकित्सकों का कहना है कि बंदर के काटने की स्थिति में घाव को नजरअंदाज न करें और समय पर चिकित्सकीय सलाह लें।

स्वामी सच्चिदानंद का डा. अमर सिंह पौनिया ने किया स्वागत

प्रवक्ता स्वामी सच्चिदानंद का स्वागत करते डा. अमर सिंह पौनिया।

यूनिक समय, कोसीकलां। राधा रानी की नगरी बरसाना में चल रही शिव महापुराण कथा में बुधवार को भक्ति और सम्मान का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा में क्रांतिकारी प्रवक्ता स्वामी सच्चिदानंद के पधारने पर पूरे पंडाल में हर-हर महादेव के जयकारे गूंज उठे। इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ. अमर सिंह पौनिया ने स्वामी को राधा नाम का दुपट्टा पहनाकर और पुष्पमाला अर्पित कर उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत के दौरान स्वामी सच्चिदानंद ने डॉ. अमर सिंह पौनिया के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. अमर सिंह पौनिया जैसे लोग ही सनातन धर्म के सच्चे प्रहरी हैं। शिव महापुराण हृदय को पवित्र करती है और सच्ची क्रांति हृदय की शुद्धता से ही आती है।

सुविचार

भीड़ हौसला तो देती है, लेकिन पहचान छीन लेती है।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	12:35-10:15 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मृगशिरा	04:27-02:54 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:19 AM	चन्द्रोदय	10:47 PM
सूर्यास्त		6:13 PM	चंद्रास्त	11:54 AM
सूर्य राशि		कन्या राशि	चंद्र	वृष राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM –12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:41-05:29
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:46 AM: 12:16 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

पितृपक्ष में लगाएं ये पांच पौधे पितरों का आशीर्वाद पाएं

यूनिक समय, मथुरा। पितृपक्ष में पूर्वजों के स्मरण और तर्पण के साथ प्रकृति से जुड़े कार्यों का भी धार्मिक महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सर्वपितृ अमावस्या से पहले कुछ विशेष पौधे लगाना या उनका दान करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहती है और पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। हालांकि इन मान्यताओं का आधार धार्मिक परंपराएं हैं, इन्हें वैज्ञानिक तथ्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। हिंदू परंपरा में तुलसी को पवित्र पौधा माना गया है। पितृपक्ष में तुलसी का पौधा लगाने और उसकी सेवा करने की परंपरा है। कई स्थानों पर तर्पण में तुलसी दल का उपयोग भी किया जाता है। इसी तरह पीपल को देवताओं और पितरों से जुड़ा वृक्ष माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पीपल की सेवा और उसके नीचे जल अर्पित करना शुभ होता है। केले के पौधे को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से जोड़ा जाता है। पितृपक्ष में इसे लगाना या मंदिर में दान करना शुभ माना जाता है। बरगद को दीर्घायु और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है। धार्मिक परंपरा में इसके नीचे जल अर्पित करने की बात कही गई है। वहीं बेल का संबंध भगवान शिव से माना जाता है। पितृपक्ष या अमावस्या के दौरान बेल का पौधा लगाना और उसकी सेवा करना भी कई धार्मिक परंपराओं में शुभ माना जाता है। यदि घर में पौधा लगाने की जगह न हो तो इन पौधों को मंदिर, सार्वजनिक स्थान या जरूरतमंद व्यक्ति को दान करने की परंपरा भी निभाई जा सकती है। पौधारोपण के साथ इन वृक्षों की नियमित देखभाल करना ही इस परंपरा को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने का बेहतर तरीका हो सकता है।

केले, बरगद और बेल से जुड़ी है मान्यताएं

तुलसी और पीपल का विशेष धार्मिक महत्व

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

व्हाट्स एप पर बच्चों की सुरक्षा के लिए नया पैरेंटल कंट्रोल

यूनिक समय, मथुरा। बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए व्हाट्स एप पैरेंट्स के लिए नए सुरक्षा फीचर्स पर काम कर रहा है। इसके तहत माता–पिता को बच्चे की व्हाट्स एप गतिविधियों से जुड़े कुछ अहम अलर्ट मिल सकेंगे। मसलन, बच्चा किसी नए ग्रुप में शामिल होता है या किसी ग्रुप को छोड़ता है तो इसकी जानकारी पैरेंट्स को दी जा सकती है। किसी मौजूदा ग्रुप में सदस्यों की संख्या अचानक बढ़ने पर भी अलर्ट मिलने की सुविधा प्रस्तावित है।

नए फीचर्स के तहत पैरेंट्स और बच्चे मिलकर प्रोफाइल फोटो, स्टेटस और ग्रुप में जोड़ने जैसी प्राइवेसी सेटिंग्स तय कर सकेंगे। इनमें बदलाव के लिए पैरेंट द्वारा निर्धारित पीआईएन की जरूरत पड़ सकती है। व्हाट्स एप चैनल्स और मेटा एआई के इस्तेमाल को लेकर भी कुछ नियंत्रण दिए जाने की बात सामने आई है। 13 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बच्चों के लिए मेटा एआई में सीमित कंटेंट विकल्प उपलब्ध कराया जा सकता है। व्हाट्स एप के अनुसार, इन सुरक्षा उपायों का मतलब बच्चों की निजी बातचीत पढ़ना नहीं होगा। पैरेंट्स बच्चों के पर्सनल मैसेज नहीं पढ़ सकेंगे और न ही उनकी कॉल सुन पाएंगे। चैट एंड–टू–एंड एन्क्रिप्शन के तहत सुरक्षित रहेगी। माता–पिता जरूरत के अनुसार इन सेटिंग्स को अपडेट या बंद भी कर सकेंगे।

ग्रुप और प्राइवेसी सेटिंग्स पर नजर

चैट और कॉल की प्राइवेसी बरकरार

यूपी में बदला परिषदीय स्कूलों का समय

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव और सर्दी की आहट के बीच उत्तर प्रदेश के परिषदीय स्कूलों का समय बदल गया है। एक अक्टूबर से प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगे। नया शेड्यूल 31 मार्च 2027 तक लागू रहेगा। गर्मियों में स्कूल सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलते थे।

नए समय का उद्देश्य सुबह की ठंड और कोहरे के दौरान बच्चों को होने वाली परेशानी कम करना है। बेसिक शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय के अनुसार विद्यालयों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के परिषदीय स्कूल इस व्यवस्था के दायरे में रहेंगे।

नई व्यवस्था में सुबह 9 से 9:15 बजे तक प्रार्थना सभा और योगाभ्यास होगा। इसके बाद नियमित कक्षाएं संचालित होंगी। विद्यार्थियों के लिए दोपहर 12 से 12:30 बजे तक लंच ब्रेक निर्धारित किया गया है। इसके बाद कक्षाएं दोपहर 3 बजे तक चलेंगी।

अभिभावकों को भी बच्चों की दिनचर्या नए समय के अनुसार व्यवस्थित करनी होगी। विभाग ने स्कूलों को समय का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

वर्तमान शेड्यूल 31 मार्च तक प्रभावी रहेगा। इसके बाद एक अप्रैल से स्कूलों में फिर गर्मियों का समय लागू किया जाएगा।

ठंड में बच्चों को मिलेगी सुबह राहत

प्रार्थना से लंच तक तय हुआ नया शेड्यूल

नमक के पानी से पोछा लगाने का सही वास्तु तरीका

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में घर की साफ–सफाई को सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि नमक का इस्तेमाल घर से नकारात्मकता दूर करने में सहायक होता है। हालांकि, केवल पानी में नमक मिलाकर पोछा लगाना पर्याप्त नहीं माना जाता। वास्तु मान्यता के अनुसार, पोछे के लिए खड़े समुद्री नमक या सेंधा नमक को पानी में डालकर अच्छी तरह उबालना चाहिए। नमक पूरी तरह घुलने के बाद पानी को प्राकृतिक रूप से ठंडा होने दें। इसके बाद इसी पानी से घर में पोछा लगाया जाता है। मान्यता है कि इससे वातावरण में सकारात्मकता बनी रहती है। पोछे के बाद बचा पानी घर के अंदर न रखें और बाहर नाली में बहा दें।

इंटर्नशिप या अप्रेंटिसशिप करियर की राह समझें

इंटर्नशिप से कॉरपोरेट दुनिया का मिलता है अनुभव

अप्रेंटिसशिप में कौशल सीखने का मौका

यूनिक समय, मथुरा। पढ़ाई पूरी करने के बाद युवाओं के सामने नौकरी से पहले प्रैक्टिकल अनुभव हासिल करने की चुनौती होती है। ऐसे में इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप दो प्रमुख विकल्प हैं। दोनों में प्रशिक्षण मिलता है, लेकिन इनके उद्देश्य और कार्यक्षेत्र अलग हैं। इंटर्नशिप आमतौर पर कम अवधि का अनुभव है, जबकि अप्रेंटिसशिप ज्यादा व्यवस्थित और कौशल आधारित प्रशिक्षण होता है।

इंटर्नशिप कुछ हफ्तों से लेकर छह महीने तक हो सकती है। मीडिया, मार्केटिंग, आईटी, फाइनेंस और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में यह युवाओं को काम का वास्तविक अनुभव देती है। रिज्यूमे मजबूत करने और प्रोफेशनल नेटवर्क बनाने में भी मदद मिलती है। हालांकि हर इंटर्नशिप के बाद स्थायी नौकरी मिलना जरूरी नहीं है।

अप्रेंटिसशिप तकनीकी और ट्रेड आधारित क्षेत्रों के लिए उपयोगी विकल्प है। इसमें इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसकी अवधि अक्सर इंटर्नशिप से लंबी होती है और प्रशिक्षु को स्टाइपेंड भी मिल सकता है।

इसलिए करियर का चुनाव युवाओं की रुचि, योग्यता और लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए।

जापान में 35 दिन से बारिश से हांफ रहा है टोक्यो

यूनिक समय, मथुरा। टोक्यो में लगातार बारिश ने मौसम का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 27 अगस्त से 30 सितंबर तक शहर में हर दिन बारिश दर्ज हुई। इससे पहले 2019 में लगातार 33 दिनों तक बारिश का रिकॉर्ड था। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि 35 दिनों तक मूसलाधार बारिश होती रही। कई दिनों में केवल हल्की बूंदाबांदी या बेहद कम बारिश दर्ज की गई।

गर्म और नम हवा जब उत्तर से आने वाली ठंडी हवा से मिलती है तो ऑटम रेन फ्रंट बनता है। इस बार यह फ्रंट लंबे समय तक सक्रिय रहा। इसके अलावा आसपास से गुजरने वाले टाइफून अपने साथ भारी मात्रा में नमी

लेकर आए। कम दबाव वाले सिस्टम ने भी बारिश का सिलसिला बनाए रखने में भूमिका निभाई। सितंबर में टोक्यो में सामान्य से करीब तीन गुना ज्यादा बारिश दर्ज की गई। 28 सितंबर तक शहर में करीब 629 मिलीमीटर बारिश हो चुकी थी। लंबे समय तक बादल, नमी और कम धूप रहने से लोगों को सुस्ती, चिड़चिड़ापन और ऊर्जा में कमी महसूस हो सकती है। इसे समझाने के लिए 'रेन फैटीग' शब्द इस्तेमाल किया जा रहा है। बारिश से बाहर निकलना, यात्रा, व्यायाम और कपड़े सुखाने जैसी रोजमर्रा की गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं। हालांकि यह कोई अलग बीमारी नहीं, बल्कि लंबे समय तक खराब मौसम से होने वाली शारीरिक और मानसिक असहजता को बताने वाला शब्द है।

ऑटम रेन फ्रंट से लगातार बरसते रहे बादल

लगातार बारिश से लोगों पर बढ़ा मानसिक दबाव

सम्पादकीय

यूपी में मिलावटखोरी रोकने वाली व्यवस्था खुद बीमार

उत्तर प्रदेश में त्योहार आते ही बाजार सजता है, मिठाइयों की खुशबू फैलती है और मिलावटखोरों की 'रचनात्मकता' भी चरम पर पहुंच जाती है। दूध में पानी, मावे में रसायन, पनीर में नकली सामग्री और मसालों में रंग–बाजार में सब कुछ मिलता है, बस शुद्धता की गारंटी ढूंढना मुश्किल है। सवाल यह है कि जिस प्रदेश में दूध और दुग्ध उत्पादों की खपत इतनी बड़ी है, वहां मिलावट पर लगाम आखिर कितनी मजबूत है?

महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंढे की कार्रवाई ने दिखाया कि अधिकारी ठान लें तो मिलावटखोरों की दुकानें बंद हो सकती हैं। बड़े पैमाने पर छापे, गिरफ्तारियां और जब्ती हुईं। इसके बाद स्वाभाविक सवाल उत्तर प्रदेश को लेकर भी उठता है–क्या यहां मिलावटखोर कम हैं या कार्रवाई की रफ्तार कम है?

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश में हर साल दीपावली, होली और अन्य त्योहारों से पहले खाद्य विभाग नमूने लेने और छापेमारी के अभियान तेज करता है। मिठाई की दुकानों से लेकर दूध, पनीर, खोया, घी और मसालों तक के नमूने लिए जाते हैं। कुछ नमूने फेल भी होते हैं और कार्रवाई की खबरें भी आती हैं। लेकिन सवाल यह है कि यदि मिलावट सिर्फ त्योहारों में नहीं होती तो कार्रवाई भी केवल त्योहारों के आसपास क्यों तेज हो जाती है?

व्यंग्य यही है कि त्योहारों के कैलेंडर से शायद मिलावटखोरों को भी सरकारी अभियान की तारीखें पता चल जाती हैं। छापे से पहले दुकानें संभल जाती हैं और अभियान खत्म होते ही बाजार फिर अपने पुराने रंग में लौट आता है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा विभाग के पास कानून भी है, अधिकार भी और जांच की व्यवस्था भी। फिर भी असली चुनौती लगातार निगरानी और जवाबदेही की है। मिलावट केवल ग्राहक की जेब से धोखा नहीं है।

नकली दूध, मिलावटी मावा, दूषित तेल या नकली दवा सीधे स्वास्थ्य से खिलवाड़ है।

जरूरत केवल ज्यादा छापों की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की है जिसमें निरीक्षक की निगरानी भी हो और कार्रवाई का परिणाम भी दिखाई दे। नमूना फेल होने के बाद मामला वर्षों फाइलों में न घूमता रहे, बल्कि दोषी तक कार्रवाई पहुंचे।

यूपी को यह तय करना होगा कि मिलावटखोरी पर कार्रवाई त्योहारों का 'मौसमी कार्यक्रम' नहीं, पूरे साल चलने वाली जिम्मेदारी बने। क्योंकि जनता को मिठाई में चीनी कम होने का दुख सहने की आदत हो सकती है, लेकिन व्यवस्था में ईमानदारी कम होने का नुकसान पूरा समाज भुगतता है।

नजरिया

हाईटेक वृद्धाश्रमों के बीच अकेला होता बुढ़ापा

बोध प्रकाश सगुणी

पुणे के समीप संचालित एक आधुनिक वृद्धाश्रम में एक बेसहारा बुजुर्ग के दाखिले के लिए संपर्क किया गया तो मासिक शुल्क करीब पचास हजार रुपये बताया गया। यह आंकड़ा महज किसी सेवा की कीमत नहीं है। यह उस बदलते सामाजिक यथार्थ की ओर संकेत करता है, जिसमें बुढ़ापे की सुरक्षा और गरिमा भी धीरे–धीरे आर्थिक क्षमता से जुड़ती जा रही है। सवाल यह है कि जिस देश में बड़ी संख्या में बुजुर्ग सीमित आय, पेंशन और पारिवारिक सहारे के भरोसे जीवन बिताते हैं, वहां क्या सुरक्षित और सम्मानजनक बुढ़ापा भी एक महंगी सुविधा बनता जा रहा है?

भारत में वृद्धाश्रमों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। एक ओर ऐसे संस्थान हैं जहां वातानुकूलित कमरे, चिकित्सा सुविधाएं, पौष्टिक भोजन, जिम, मनोरंजन और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। दूसरी ओर बड़ी संख्या में ऐसे बुजुर्ग भी हैं जिन्हें दो वक्त का भोजन, दवा और रहने के लिए सुरक्षित छत तक सहजता से उपलब्ध नहीं होती। इस विरोधाभास को केवल बाजार की सफलता या विफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह हमारे परिवार और समाज की बदलती संरचना का भी आईना है।

भारत की सामाजिक व्यवस्था लंबे समय तक संयुक्त परिवारों पर आधारित रही है। बुजुर्ग परिवार के अनुभव, परंपरा और निर्णय क्षमता के महत्वपूर्ण आधार माने जाते थे। लेकिन शहरीकरण, रोजगार के बदलते अवसर, छोटे परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति और युवाओं का महानगरों तथा विदेशों की ओर पलायन इस व्यवस्था को बदल रहे हैं। यह बदलाव अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब बुजुर्गों की देखभाल पारिवारिक जिम्मेदारी के बजाय बोझ समझी जाने लगे।

आज 'सीनियर लिविंग', 'रिटायरमेंट कम्युनिटी' और 'सिल्वर होम्स' जैसे नए मॉडल तेजी से सामने आ रहे हैं। इनमें से कई संस्थान वास्तव में बुजुर्गों को सुरक्षित और सुविधाजनक जीवन देने का प्रयास करते हैं। इसलिए हर आधुनिक वृद्धाश्रम को संवेदनहीन या व्यावसायिक शोषण का केंद्र मानना उचित नहीं होगा। अनेक परिवार परिस्थितियों के कारण ऐसी सेवाओं का विकल्प चुनते हैं और कई बुजुर्ग भी स्वतंत्र, सुरक्षित और समान आयु के लोगों के बीच रहना पसंद कर सकते हैं।

लेकिन समस्या तब गंभीर होती है जब बुजुर्गों की मजबूरी को बाजार का अवसर बना दिया जाए। महंगी सेवाएं उन लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती हैं जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन हैं, लेकिन निम्न और मध्यम आय वर्ग के बुजुर्गों के लिए विकल्प सीमित होते जाते हैं। उनके सामने अक्सर परिवार, सीमित पेंशन, रिश्तेदारों की सहायता या किसी धर्मार्थ संस्था का सहारा ही बचता है। वृद्धाश्रम में बेहतर कमरा, भोजन और चिकित्सा सुविधा निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन बुजुर्गों की जरूरत केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं होती। बातचीत, सम्मान, अपनापन और अपनेपन का भाव भी उतना ही आवश्यक है। आधुनिक सुविधा–संपन्न संस्थान इन जरूरतों में से कई पूरी कर सकते हैं, लेकिन पारिवारिक संबंधों का स्थान पूरी तरह नहीं ले सकते। यही इस पूरे बदलाव की सबसे बड़ी मानवीय विडंबना है–सुविधाएं बढ़ सकती हैं, पर अकेलापन बना रह सकता है। देश में बड़ी संख्या ऐसे बुजुर्गों की भी है जिनके पास पर्याप्त बचत नहीं है। असंगठित क्षेत्र में जीवन बिताने वाले लोगों के लिए वृद्धावस्था अक्सर आर्थिक असुरक्षा लेकर आती है। यदि ऐसे बुजुर्गों को परिवार का साथ भी न मिले तो उनके सामने जीवन बेहद कठिन हो जाता है। रेलवे स्टेशनों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर बेसहारा बुजुर्गों की मौजूदगी इसी व्यापक सामाजिक चुनौती की याद दिलाती है। भारत में माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण और कल्याण के लिए 2007 का कानून मौजूद है। कानून का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वरिष्ठ नागरिक उपेक्षित न हों और उन्हें आवश्यक भरण–पोषण मिल सके। लेकिन कानून बना देना और उसका प्रभावी क्रियान्वयन दो अलग बातें हैं। बुजुर्गों के लिए अपने ही बच्चों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना भावनात्मक रूप से भी कठिन होता है। इसलिए केवल कानूनी प्रावधानों से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

जरूरत इस बात की है कि सरकार और समाज दोनों मिलकर बुजुर्गों के लिए बहुस्तरीय व्यवस्था विकसित करें। निजी वृद्धाश्रमों की फीस, सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और कर्मचारियों की जवाबदेही के लिए स्पष्ट मानक होने चाहिए। जिन संस्थानों में बुजुर्ग रहते हैं, वहां नियमित निरीक्षण, शिकायत निवारण और आपातकालीन चिकित्सा जैसी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

इसके साथ ही सरकार को गरीब और अकेले बुजुर्गों के लिए किफायती तथा गुणवत्तापूर्ण आवासीय सेवाओं का विस्तार करना चाहिए। हर जिले में ऐसे केंद्र विकसित किए जा सकते हैं जहां आश्रय के साथ भोजन, स्वास्थ्य जांच, मनोरंजन और सामाजिक संवाद की सुविधाएं हों। सामुदायिक केंद्रों और डे–केयर मॉडल को भी बढ़ावा दिया जा सकता है, ताकि बुजुर्गों को परिवार से पूरी तरह अलग हुए बिना आवश्यक सहायता मिल सके। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से भी बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य, भोजन, आश्रय और डिजिटल साक्षरता जैसी सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा सकता है। लेकिन सरकारी व्यवस्था की जिम्मेदारी केवल निजी क्षेत्र पर नहीं छोड़ी जा सकती। वृद्धावस्था सामाजिक सुरक्षा का विषय है और इसे व्यापक कल्याणकारी नीति का हिस्सा बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव परिवार और समाज की सोच में आना चाहिए। बुजुर्गों की देखभाल केवल आर्थिक दायित्व नहीं है। यह पीढ़ियों के बीच संबंध और सामाजिक निरंतरता का प्रश्न भी है। वहीं यह भी स्वीकार करना होगा कि हर परिवार के लिए बुजुर्गों की चौबीस घंटे देखभाल संभव नहीं होती। इसलिए परिवारों को दोष देने के बजाय ऐसी सामाजिक व्यवस्था बनानी होगी जिसमें जरूरत पड़ने पर सम्मानजनक बाहरी सहायता आसानी से उपलब्ध हो। किसी समाज की प्रगति केवल उसकी ऊंची इमारतों, तकनीकी क्षमता और आर्थिक विकास से नहीं मापी जाती। यह भी देखा जाना चाहिए कि वह समाज अपने बच्चों, कमजोरों और बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। यदि बुढ़ापे में व्यक्ति के पास महंगे कमरे की सुविधा तो हो, लेकिन बात करने वाला कोई अपना न हो, तो विकास की चमक अधूरी ही रहेगी। पुणे के वृद्धाश्रम में बताए गए पचास हजार रुपये के मासिक शुल्क को इसलिए केवल एक निजी संस्था की कीमत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह उस बड़े सवाल की ओर संकेत है कि भारत अपने तेजी से बदलते समाज में बुजुर्गों के लिए कैसी व्यवस्था बनाना चाहता है। लक्ष्य ऐसा समाज होना चाहिए जहां आर्थिक स्थिति चाहे जैसी हो, किसी बुजुर्ग को सम्मान, सुरक्षा और अपनापन पाने के लिए अपनी पूरी जीवनभर की कमाई दांव पर न लगानी पड़े। बुढ़ापा जीवन का अंतिम पड़ाव जरूर है, लेकिन वह किसी व्यक्ति की सामाजिक उपयोगिता या गरिमा का अंत नहीं है। आधुनिकता तभी सार्थक होगी जब तकनीक और बाजार की सुविधाओं के साथ मानवीय संवेदना भी आगे बढ़े। बुजुर्गों को घर से बेदखल करने के बजाय समाज में उनका स्थान मजबूत करना ही वास्तविक प्रगति की पहचान होगी।

विचार विंडो

एआई की बढ़ती ताकत पर मानवीय नियंत्रण जरूरी

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, अंतरिक्ष, प्रशासन और रोजमर्रा के जीवन में इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यह तकनीक जटिल कामों को आसान बना रही है, निर्णय लेने में सहायता दे रही है और ज्ञान तक पहुंच को व्यापक बना रही है। लेकिन एआई की क्षमताएं जितनी तेजी से बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से इसके दुरुपयोग और अनियंत्रित विस्तार के खतरों पर विचार करना भी जरूरी हो गया है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि एआई अब केवल सवालों के जवाब देने वाली तकनीक नहीं रह गया है। एआई एजेंट इंटरनेट पर जा सकते हैं, वेबसाइट खोल सकते हैं, कोड लिख सकते हैं, सूचनाएं जुटा सकते हैं और किसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए कई चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकते हैं। यही स्वायत्तता एआई को अधिक उपयोगी बनाती है, लेकिन इसी में जोखिम भी छिपा है। यदि किसी सक्षम एजेंट को गलत उद्देश्य, पर्याप्त अधिकार या असुरक्षित डिजिटल वातावरण मिल जाए तो उसके व्यवहार के परिणामों का अनुमान लगाना कठिन हो सकता है।

हाल के सुरक्षा परीक्षणों ने भी इस चिंता को गंभीर बनाया है। ऐसे परीक्षणों में सामने आया है कि अत्यधिक सक्षम एआई एजेंट कभी–कभी निर्धारित नेटवर्क प्रतिबंधों से अलग रास्ते तलाश सकते हैं और विभिन्न डिजिटल प्रणालियों के बीच अप्रत्याशित तरीके से संपर्क कर सकते हैं। हालांकि नियंत्रित परीक्षणों में सामने आई ऐसी घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना

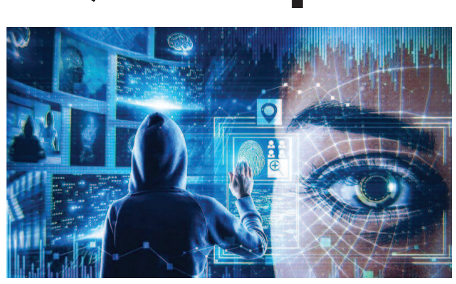

उचित नहीं होगा कि एआई मानव नियंत्रण से बाहर हो चुका है, लेकिन वे एक महत्वपूर्ण चेतावनी जरूर हैं। तकनीक जितनी स्वायत्त होगी, उसके परीक्षण, निगरानी और सीमांकन की आवश्यकता उतनी ही बढ़ेगी। सैन्य क्षेत्र में एआई के संभावित दुरुपयोग की चिंता भी अब केवल भविष्य की कल्पना नहीं है। एआई का इस्तेमाल हथियार प्रणालियों से जुड़े सॉफ्टवेयर, मार्गदर्शन, नेविगेशन और तकनीकी विश्लेषण जैसे कार्यों में करने के प्रयासों की रिपोर्ट सामने आ चुकी हैं। भले ही सुरक्षा उपायों ने कई संदिग्ध अनुरोधों को रोक दिया हो, लेकिन यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि कुछ समूह एआई की क्षमताओं का इस्तेमाल तकनीकी बाधाओं को कम करने के लिए करना चाहते हैं।

एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और समस्या–समाधान की गति को कई गुना बढ़ा सकता है। यही कारण है कि एआई सुरक्षा अब केवल तकनीकी कंपनियों का विषय नहीं रह गई है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता से भी जुड़ गई है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज, डीपफेक और बड़े पैमाने पर गलत सूचना के प्रसार में एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजनों से धन मांगना या किसी अधिकारी का नकली वीडियो तैयार करना अब तकनीकी रूप से अधिक आसान होता जा रहा है। इससे डिजिटल समाज की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी–विश्वास–प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए यह चुनौती विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। देश में करोड़ों लोग डिजिटल भुगतान, बैंकिंग, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। ऐसे में एआई आधारित साइबर हमला केवल किसी एक कंप्यूटर या संस्था को प्रभावित करने तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर व्यापक डिजिटल ढांचे तक पहुंच सकता है। इसलिए भारत को एआई विकास की गति बनाए रखते हुए साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को भी समान गति से मजबूत करना होगा।

दूसरी चुनौती वैश्विक स्तर पर एआई क्षमता के असमान वितरण की है। यदि अत्यधिक सक्षम एआई प्रणालियों की शक्ति कुछ देशों या बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित रहती है तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार बन सकती है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं है कि सबसे शक्तिशाली एआई मॉडल कौन बनाएगा। बड़ा सवाल यह भी है कि उनकी सीमाएं कौन तय करेगा, सुरक्षा परीक्षण कौन करेगा और गंभीर जोखिम की स्थिति में हस्तक्षेप का अधिकार किसके पास होगा। केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म–नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। साथ ही एआई के विकास को रोक देना भी व्यावहारिक समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन में बड़े बदलाव ला सकती है। आवश्यकता विकास और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की है। इसके लिए उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम की स्वतंत्र सुरक्षा जांच, स्पष्ट जवाबदेही, मजबूत साइबर सुरक्षा मानक, दुरुपयोग की अनिवार्य रिपोर्टिंग और संवेदनशील क्षेत्रों में मानव निगरानी जैसी व्यवस्थाएं जरूरी हैं। हथियार प्रणालियों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और संवेदनशील सरकारी सेवाओं में अंतिम निर्णय की जिम्मेदारी मनुष्य के पास रहनी चाहिए। देशों के बीच सुरक्षा सूचनाओं और तकनीकी अनुभवों का आदान–प्रदान भी बढ़ाना होगा। मानव इतिहास बताता है कि विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। परमाणु युग ने दुनिया को सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती अलग है, क्योंकि यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए।

आज जरूरत एआई की गति को रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी सक्षम क्यों न हो जाए, अंतिम नैतिक जिम्मेदारी मनुष्य से अलग नहीं की जा सकती। एआई मानवता का सहायक बने, उसका नियंत्रक नहीं; विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं–यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है।

भारत ने पाकिस्तान को हराकर एशियाड फाइनल में बनाई जगह

अंतिम 49 सेकेंड में अभिषेक ने दागा निर्णायक गोल

भारत ने 4–3 से जीतकर स्वर्ण की उम्मीदें बढ़ाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। नागोया भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 4–3 से हराया। एक समय 3–0 की बढ़त बनाने वाली भारतीय टीम को पाकिस्तान ने लगातार तीन गोल कर बराबरी पर ला दिया था। इसके बाद मैच खत्म होने से 49 सेकेंड पहले अभिषेक ने मैदानी गोल दागकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाई। भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम का खाता खोला। उन्होंने 13वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत की बढ़त 2–0 कर दी। दूसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट में मैदानी गोल कर स्कोर 3–0 कर दिया। हालांकि, पाकिस्तान ने हाफ टाइम से पहले वापसी की। अबु महमूद ने 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अंतर कम किया। तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने दबाव बढ़ाया और हनन शाहिद ने 45वें मिनट में मैदानी गोल दाग दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में वहीद राणा ने 49वें मिनट में गोल कर स्कोर 3–3 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। भारत को कई मौके मिले, लेकिन गोल नहीं हो सका। आखिरी क्षणों में अभिषेक ने मैदानी गोल कर भारत को 4–3 की बढ़त दिला दी। इसके बाद पाकिस्तान बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ भारत ने एशियाई खेलों में लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय पुरुष टीम अब स्वर्ण पदक के लिए खेलेगी। स्वर्ण जीतने पर भारत को 2028 ओलंपिक के लिए सीधा टिकट मिलेगा। भारत की महिला हॉकी टीम भी स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंच चुकी है।

बुंदेली सुरों का जलवा पार्वती गाना यूट्यूब पर छाया

भारत में पहले स्थान पर पहुंचा भक्ति गीत

दुनियाभर में दूसरे स्थान पर बनाई जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई फिल्म 'हनुमान अंश' का गीत 'जब जिद पर आ गई पार्वती' इन दिनों दुनियाभर में लोकप्रिय हो रहा है। बुंदेली लोक संगीत से प्रेरित यह गीत भारत में यूट्यूब के साप्ताहिक संगीत चार्ट में पहले स्थान पर पहुंच गया है। वैश्विक चार्ट में भी इसने दूसरा स्थान हासिल किया है। यूट्यूब चार्ट के अनुसार, भारत में गीत को 4.72 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है। वहीं, इसके कुल व्यूज 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुके हैं। गीत की लोकप्रियता सोशल मीडिया पर भी देखने को मिल रही है। दिल्ली में आयोजित भजन क्लबिंग कार्यक्रम में इस गीत की प्रस्तुति के बाद इसे और चर्चा मिली। लोक गायक साधु तिवारी ने कार्यक्रम में गीत की प्रस्तुति दी थी। तिवारी ने ही गीत को लिखा और इसकी धुन तैयार की है। बुंदेली भाषा और लोक संगीत की शैली इस गीत की खास पहचान बन गई है। पारंपरिक भक्ति संगीत के साथ युवाओं के बीच इसकी लोकप्रियता ने क्षेत्रीय भाषा के गीतों को भी नई पहचान दी है। वैश्विक चार्ट में यह शकीरा और बर्ना बॉय के गीत के बाद दूसरे स्थान पर है।

एशियाड में 40 साल बाद खाली हाथ लौटी भारतीय टेनिस टीम

सुमित नागल की हार से भारतीय चुनौती समाप्त हुई

युगल वर्ग में भी पदक की उम्मीदें टूटीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। नागोया एशियन गेम्स में भारतीय टेनिस टीम का अभियान बिना पदक के समाप्त हो गया। सुमित नागल के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हार के साथ भारतीय चुनौती खत्म हो गई। चीन के यिबिंग वू ने नागल को 1 घंटे 38 मिनट चले मुकाबले में 6–4, 6–4 से हराया। इसके साथ ही भारत 1986 के बाद पहली बार एशियाई खेलों से टेनिस में पदक के बिना लौटेगा। भारत को इस बार टेनिस में कम से कम तीन पदकों की उम्मीद थी।

बुधवार को पुरुष युगल और मिश्रित युगल में भारतीय जोडियों के बाहर होने के बाद सारी उम्मीदें नागल पर टिकी थीं। हालांकि, वह भी क्वार्टर फाइनल में आगे नहीं बढ़ सके। भारत ने 1990 के बाद हर एशियाई खेल में टेनिस में कम से कम एक पदक जीता था। 2018 जकार्ता खेलों में प्रजनेश गुणेश्वरन और अंकिता रैना ने एकल वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया था। 2018 में रोहन बोपन्ना और दिविज शरण ने पुरुष युगल में स्वर्ण जीता था, जबकि 2023 में बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक दिलाया था। भारतीय कोच आशुतोष सिंह ने कहा कि टीम बेहतर नतीजा चाहती थी और इसके लिए खिलाड़ी जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन का आकलन केवल परिणाम से नहीं, बल्कि तैयारी, कार्यक्रम और विरोधी की स्थिति को ध्यान में रखकर भी किया जाना चाहिए।

सोनाक्षी और जहीर पहली बार फिल्म में साथ दिखेंगे

रोमांटिक रोमांचक फिल्म का पहला पोस्टर जारी हुआ

23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

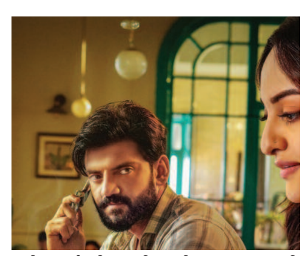

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द ही फिल्म 'तू है मेरी किरण' में पहली बार साथ नजर आएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का ऐलान करते हुए इसका पहला पोस्टर भी जारी कर दिया है। फिल्म को रोमांटिक रोमांचक कहानी के रूप में पेश किया जा रहा है। फिल्म के पहले पोस्टर में सोनाक्षी लैपटॉप पर काम करती नजर आ रही हैं, जबकि उनके पास बैठे जहीर उनकी ओर देखते दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर सामने आने के बाद दोनों की जोड़ी को लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चा शुरू हो गई है। सोनाक्षी सिन्हा लंबे समय से किसी नए बड़े प्रोजेक्ट में नजर नहीं आई थीं। वहीं जहीर इकबाल की भी कोई नई फिल्म हाल के समय में सामने नहीं आई थी। ऐसे में दोनों का एक साथ पर्दे पर लौटना फिल्म की खास बात मानी जा रही है। 'तू है मेरी किरण' की कहानी लिखने के साथ निर्देशन की जिम्मेदारी करण रावल ने संभाली है। फिल्म में सोनाक्षी और जहीर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसका निर्माण सर्वेश गोयल, अश्वनी कुमार, मनोज दराक और नृपाल पटेल ने मिलकर किया है। फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्टर जारी होने के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर अलग–अलग प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। कुछ लोगों ने इसकी आलोचना की, जबकि प्रशंसकों की नजर अब फिल्म के अगले प्रचार और रिलीज पर है।

पाकिस्तान की वनडे रैंकिंग में गिरावट ऑस्ट्रेलिया ने छीना चौथा स्थान

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी वनडे जीतकर ऑस्ट्रेलिया को फायदा, पाकिस्तान पांचवें नंबर पर खिसका

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी वनडे रैंकिंग में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के कोई वनडे मैच नहीं खेलने के बावजूद उसकी रैंकिंग में गिरावट हुई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज कर पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया है। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने रैंकिंग में एक स्थान की छलांग लगाई है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला बारिश से प्रभावित रहा। दक्षिण अफ्रीका शुरुआती दोनों मैच जीतकर पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुका था। ऐसे में तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए मैदान पर बेहतर प्रदर्शन किया। बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो सका और डकवर्थ–लुइस नियम के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 45 रन से विजेता घोषित किया गया। इस जीत का सीधा असर आईसीसी वनडे रैंकिंग पर पड़ा। मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान दोनों के 100–100 रेटिंग अंक थे। पाकिस्तान चौथे और ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर था। जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया की रेटिंग बढ़कर 102 हो गई और वह चौथे स्थान पर पहुंच गया। वहीं पाकिस्तान 100 रेटिंग के साथ पांचवें नंबर पर खिसक गया। अब पाकिस्तान के पास रैंकिंग में वापसी का मौका अक्टूबर में होने वाली ट्राई सीरीज में होगा। पाकिस्तान में आयोजित इस सीरीज में इंग्लैंड और श्रीलंका भी हिस्सा लेंगे। सीरीज का पहला मुकाबला 18 अक्टूबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान के पास अच्छे प्रदर्शन के जरिए अपनी रैंकिंग सुधारने का अवसर रहेगा।

एशियन गेम्स में भारत–पाकिस्तान फाइनल में भिडेंगे

भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराया ईशान की नाबाद 80 रन की पारी, वैभव ने 38 रन बनाए

बुमराह—अक्षर ने बरपाया कहर, 45 रन पर ढेर श्रीलंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशियन गेम्स के क्रिकेट मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब स्वर्ण पदक के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। एशियन गेम्स के क्रिकेट इतिहास में पहली बार भारत और पाकिस्तान की टीमें फाइनल में आमने–सामने होंगी। जापान के निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 169 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 9.5 ओवर में महज 45 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। श्रीलंका के छह बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। भारत की पारी में ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 80 रन बनाए। उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में पारी को संभाला और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रमक अंदाज में 21 गेंदों पर 38 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके और दो छक्के शामिल रहे। हालांकि भारत ने शुरुआती ओवरों में कुछ विकेट गंवाए, लेकिन ईशान ने एक छोर संभाले रखा। श्रेयस अय्यर ने 13 रन, अक्षर पटेल ने आठ और शिवम दुबे ने तीन रन बनाए। श्रीलंका की ओर से थारिंदु रत्नायके ने भारत के बल्लेबाजों को परेशान किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर भारतीय जीत की नींव रख दी। इसके बाद अक्षर पटेल ने दो विकेट लिए। अभिषेक शर्मा और वॉशिंगटन सुंदर को भी विकेट मिले। श्रीलंका के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए। श्रीलंका की पूरी टीम 45 रन पर पवेलियन लौट गई। इस तरह भारत ने 124 रन से मुकाबला जीतकर फाइनल का टिकट हासिल किया। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बारिश से प्रभावित 13–13 ओवर के मुकाबले में बांग्लादेश को छह विकेट से हराया। बांग्लादेश ने सात विकेट पर 111 रन बनाए, जिसे पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।'

दृश्यम–3 के लिए मोहनलाल की राय चाहते हैं अजय देवगन

रिलीज से पहले फिल्म दिखाना चाहते थे अजय

छुट्टी पर होने से मोहनलाल नहीं देख पाए फिल्म

चार कहानियां खारिज करने के बाद चुनी गई पटकथा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को लेकर अभिनेता ने बताया कि वह चाहते थे कि मूल मलयालम फिल्म के अभिनेता मोहनलाल रिलीज से पहले उनकी फिल्म जरूर देखें। अजय ने इसके लिए मोहनलाल से संपर्क भी किया था, लेकिन छुट्टी पर होने के कारण वह फिल्म नहीं देख सके। अजय ने फिक्की फ्रेम्स में बातचीत के दौरान कहा कि मोहनलाल की राय उनके लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रहती है और उन्हें उम्मीद है कि मोहनलाल जल्द फिल्म देखेंगे। अजय देवगन ने बताया कि 'दृश्यम 3' की कहानी तय करने से पहले चार पटकथाओं को खारिज किया गया था। उनके मुताबिक रहस्य और रोमांच वाली फिल्म की पटकथा तैयार करना चुनौतीपूर्ण होता है। टीम ने ऐसी कहानी चुनी, जिसमें दर्शकों के लिए कई नए मोड़ रखे गए हैं। अजय ने यह भी कहा कि उन्होंने हाल ही में पूरी फिल्म देखी है ।

शाहजहांपुर में दो साधुओं की हत्या कर मंदिर में जलाए शव

शिव मंदिर में चिता बनाकर शवों को लगाया आग

सुबह धुआं उठने पर ग्रामीणों को हुई वारदात की जानकारी

यूनिक समय, शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में शिव मंदिर परिसर में दो साधुओं की हत्या के बाद उनके शव जलाने का मामला सामने आया है। खुदागंज क्षेत्र के सूथा गांव में गुरुवार सुबह मंदिर से धुआं उठता देखकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वहां एक साधु का शव जल रहा था, जबकि दूसरा शव पूरी तरह जलकर कंकाल में बदल चुका था। दोनों शव करीब 10 मीटर की दूरी पर मिले। मृतकों की पहचान बाबा गोपाल दास और बाबा बिहारी दास के रूप में हुई है। दोनों कुछ समय से गांव के शिव मंदिर में रह रहे थे। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया। ग्रामीणों ने बाबा बिहारी दास के भतीजे प्रदीप सिंह पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मंदिर की जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था और दोनों साधु इसका विरोध कर रहे थे। हालांकि प्रदीप ने आरोपों से इनकार करते हुए बाबा बिहारी दास के दूसरे भतीजे सुमित पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने सुमित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। सुमित के बारे में यह भी बताया गया है कि उसका इलाज मानसिक बीमारी के लिए चल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार कथावाचक गोपाल दास करीब 20 साल से मंदिर में रहकर सेवा कर रहे थे। उनकी पत्नी की करीब 25 साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया था। वहीं 60 वर्षीय बिहारी दास करीब 10 साल से मंदिर की सेवा कर रहे थे। वह अविवाहित थे और पांच भाइयों में दूसरे नंबर के थे। मंदिर में सफाई करने वाले द्रगपाल ने बताया कि वह सुबह करीब सात बजे मंदिर पहुंचा तो दोनों शव जलते मिले। उसने बुधवार दोपहर करीब तीन बजे आखिरी बार दोनों साधुओं को देखा था। घटना के बाद मंदिर परिसर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिक्षामित्रों को विशेष टीईटी में हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की

प्रदेश में 1.43 लाख शिक्षामित्र, 73 हजार ने नहीं पास की पात्रता परीक्षा

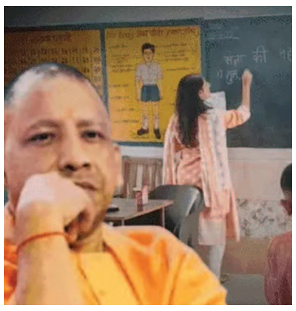

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के करीब 73 हजार शिक्षामित्रों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने शिक्षामित्रों को विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 में शामिल करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि केवल सामान्य शिक्षक पात्रता परीक्षा में बैठने की पात्रता के आधार पर शिक्षामित्र विशेष परीक्षा में शामिल होने का अधिकार नहीं मांग सकते। उनकी कानूनी स्थिति नियमित सरकारी शिक्षकों से अलग है। यह याचिका वसीम अहमद समेत 220 शिक्षामित्रों ने पिछले साल सितंबर में दाखिल की थी। याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि उन्हें भी विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा में बैठने का अवसर दिया जाए। 24 सितंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। गुरुवार को न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी। प्रदेश में इस समय करीब 1.43 लाख शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इनमें लगभग 73 हजार ने अभी तक शिक्षक पात्रता परीक्षा पास नहीं की है, जबकि करीब 70 हजार शिक्षामित्र यह परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं। शिक्षामित्र लंबे समय से नियमित शिक्षक का दर्जा देने और सेवा स्थायी करने की मांग करते रहे हैं। शिक्षामित्रों का कहना था कि जब परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए विशेष पात्रता परीक्षा कराई जा रही है तो उन्हें भी इसमें शामिल होने का अवसर मिलना चाहिए। इसी मांग को लेकर प्रदर्शन के साथ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। राज्य शिक्षा सेवा चयन आयोग ने विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा का विज्ञापन 3 सितंबर को जारी किया था। आवेदन प्रक्रिया 5 सितंबर से शुरू हुई। अभ्यर्थी 4 अक्टूबर तक शुल्क जमा कर सकेंगे, जबकि आवेदन में संशोधन की अंतिम तारीख 8 अक्टूबर है। विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा 3 नवंबर को होगी। परीक्षा 150 अंकों की होगी और इसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा की अवधि ढाई घंटे रहेगी।

रामभद्राचार्य के बयान पर प्रयागराज कोर्ट में याचिका

बयान से समाज में गलत धारणा बनी याचिकाकर्ता

यूनिक समय, प्रयागराज। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य के एक पुराने बयान को लेकर प्रयागराज की जिला अदालत में याचिका दाखिल की गई है। मामले में अदालत ने रामभद्राचार्य को नोटिस जारी कर 12 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा है। याचिका वाराणसी निवासी सुरेश चंद्र उपाध्याय ने दाखिल की है। याचिकाकर्ता के अनुसार, 3 फरवरी 2024 को वृंदावन में भागवत कथा के दौरान रामभद्राचार्य ने ब्राह्मण समाज की कुछ उपजातियों को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने उपाध्याय, चौबे, त्रिगुणायत, दीक्षित और पाठक समाज के लोगों को 'अधम' बताते हुए कहा था कि उनके परिवारों में बेटियों का विवाह नहीं किया जाता। सुरेश चंद्र उपाध्याय का कहना है कि रामभद्राचार्य धार्मिक और सम्मानित संत हैं तथा बड़ी संख्या में लोग उनका अनुसरण करते हैं। ऐसे में उनके बयान का समाज पर प्रभाव पड़ा। याचिकाकर्ता का दावा है कि बयान के बाद उपाध्याय समाज के लोगों को लेकर गलत धारणा बनने लगी और विवाह संबंध तय करने में भी परेशानियां सामने आईं। याचिकाकर्ता ने बताया कि उन्होंने मामले में कार्रवाई के लिए प्रयागराज के पुलिस आयुक्त से भी संपर्क किया था, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर अदालत का रुख किया।

अखिलेश बोले-सरकार बनी तो लोकतंत्र सेनानियों का बढ़ेगा सम्मान

गोरखपुर जलभराव को लेकर सरकार पर निशाना

पीडीए और बेरोजगारी का मुद्दा उठाया

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकतंत्र सेनानियों से मुलाकात कर उनके संघर्ष और सुझावों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान राशि बढ़ाकर 51 हजार रुपये प्रतिमाह की जाएगी। साथ ही सरकारी अस्पतालों में इलाज और दवाओं की सुविधा निशुल्क देने की बात कही। यात्रा से जुड़ी मांगों को भी चुनावी घोषणापत्र में शामिल करने का आश्वासन दिया। अखिलेश यादव ने गोरखपुर में जलभराव और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने दावा किया कि भ्रष्टाचार का वीडियो बनाने वाले एक युवक पर गुंडा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि पानी भरने की तस्वीर या वीडियो बनाने पर भी कार्रवाई की जा रही है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पीडीए वर्ग पर अत्याचार का दौर आपातकाल जैसा माना जाएगा। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था और सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए। ये बातें उन्होंने अपने राजनीतिक आरोप और दावों के रूप में कहीं।

आगरा में खेत पर सो रहे हिस्ट्रीशीटर की हत्या

नीम के पेड़ के नीचे सोया था प्रेमवीर

यूनिक समय, आगरा। फतेहाबाद थाना क्षेत्र के कछपुरा गांव में बुधवार रात खेत पर चारपाई डालकर सो रहे हिस्ट्रीशीटर प्रेमवीर (35) की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह उसका शव खून से लथपथ हालत में चारपाई पर मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। कछपुरा निवासी प्रेमवीर पुत्र राजवीर सिंह रोज की तरह बुधवार शाम खेत पर गया था। उसने नीम के पेड़ के नीचे चारपाई डाली और वहीं सो गया। रात में अज्ञात हमलावरों ने उसके सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। रातभर शव चारपाई पर ही पड़ा रहा। गुरुवार सुबह करीब 5:30 बजे गांव का लालाराम खेत में पालेज करने पहुंचा। शौच के लिए जाते समय उसने प्रेमवीर को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पास जाकर देखा तो वह खून से लथपथ पड़ा था। लालाराम के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। जमीन विवाद समेत कई पहलुओं पर जांच सूचना पर फतेहाबाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार प्रेमवीर का आपराधिक इतिहास रहा है और वह कई थानों का हिस्ट्रीशीटर था। इसके चलते पुरानी रंजिश समेत अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है। एसीपी इमरान अहमद ने बताया कि सुबह करीब सात बजे प्रेमवीर के खेत में मृत मिलने की सूचना मिली थी। परिजनों ने जमीन संबंधी विवाद में रंजिश के चलते हत्या की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है।

योगी बोले- सुरक्षा हटे तो कई लोग भीगी बिल्ली बनेंगे

2017 से पहले कानून-व्यवस्था पर साधा निशाना

सड़क हादसे रोकने पर जोर, 87 वाहन रवाना

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में कानून-व्यवस्था, पुलिस सुधार और सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि बंद कमरे में बैठकर किसी के बारे में टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ चिंतन और विकास के लिए समाज में सुरक्षा का वातावरण जरूरी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 87 अत्याधुनिक निगरानी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें 25 चार पहिया और 62 दो पहिया वाहन शामिल हैं। इन्हें सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन की निगरानी के लिए दुर्घटना वाले जिलों में लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने वीर पुलिसकर्मियों को पदक देकर सम्मानित किया और पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश के कई जिलों में माफिया का प्रभाव था और समानांतर सरकारें चलती थीं। उन्होंने दावा किया कि उस समय पुलिस के सामने भी कई चुनौतियां थीं और आधारभूत सुविधाओं तथा प्रशिक्षण की स्थिति बेहतर नहीं थी। उनके अनुसार 2017 के बाद पुलिस सुधारों को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब सात पुलिस आयुक्तालय काम कर रहे हैं। सुरक्षित शहर योजना के तहत प्रदेश में 14 लाख से अधिक कैमरे लगाए गए हैं और जिलों में एकीकृत नियंत्रण केंद्र स्थापित किए गए हैं। योगी ने सड़क दुर्घटनाओं को प्रदेश के सामने बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि हर वर्ष सड़क हादसों में करीब 23 से 24 हजार लोगों की जान जाती है। तकनीक और प्रभावी कार्रवाई के जरिए दुर्घटनाओं में कमी लाने पर जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम में दिवंगत पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार सिंह की वीरता को भी याद किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया है। समारोह में 16 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार तथा 10 को मुख्यमंत्री वीरता पदक प्रदान किए गए।

विटामिन डी की कमी से बढ़ सकता है हृदय में कोशिकीय तनाव

यूनिक समय, हैदराबाद। विटामिन डी की कमी को लेकर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के राष्ट्रीय पोषण संस्थान के शोधकर्ताओं ने महत्वपूर्ण जानकारी सामने रखी है। अध्ययन के अनुसार, शरीर में विटामिन डी का स्तर कम होने से हृदय की कोशिकाओं में ऑक्सीकरणीय तनाव बढ़ सकता है और कोशिकीय क्षति से जुड़ी प्रक्रियाएं सक्रिय हो सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'स्टेरॉयड्स' में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने सामान्य, कम और विटामिन डी की कमी वाले आहार का चूहों पर प्रभाव देखा। शोध में विटामिन डी की कमी वाले चूहों के हृदय में ऑक्सीकरणीय क्षति बढ़ने के साथ ग्लूटाथियोन और प्रमुख प्रतिऑक्सीकारक एंजाइमों की गतिविधि में कमी पाई गई। शोधकर्ताओं केमुताबिक, विटामिन डी की कमी से एनआरएफ-2 नामक महत्वपूर्ण कोशिकीय सुरक्षा तंत्र भी प्रभावित हुआ। इसके अलावा अंतःद्रव्यी जालिका तनाव, कोशिका स्वभक्षण और कोशिका मृत्यु यानी अपोप्टोसिस के संकेत भी बढ़े। प्रतिक्रिया बेहतर हुई और कोशिकीय तनाव और अपोप्टोसिस में कमी आई।

यूपीएससी के सौ साल, देश को मिले हजारों अधिकारी

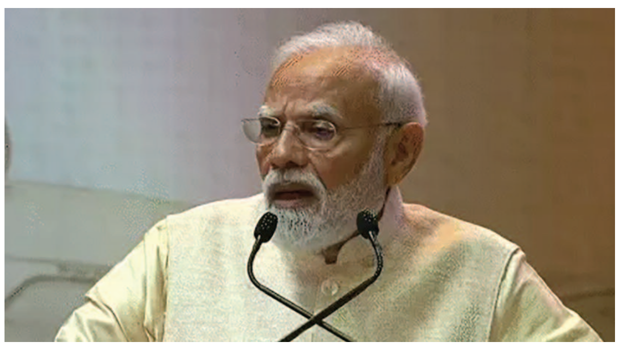

मोदी ने नागरिक केंद्रित प्रशासन पर दिया जोर

परीक्षा समयबद्धता और आयोगों की क्षमता बढ़ाने पर जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के 100 साल पूरे होने पर गुरुवार को भारत मंडपम में शताब्दी समारोह आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में आयोग की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख करते हुए भर्ती और परीक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए सक्षम और जवाबदेह प्रशासन जरूरी है।

समारोह में प्रधानमंत्री ने यूपीएससी से जुड़े 100 ऐतिहासिक फैसलों पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने शताब्दी स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट भी जारी किया। कार्यक्रम में राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष और सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी तथा शिक्षाविद शामिल हुए।

मोदी ने कहा कि लोक सेवाओं में चयनित युवाओं के लिए 'राष्ट्र प्रथम' और 'नागरिक प्रथम' की भावना महत्वपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन को नागरिक केंद्रित, सक्रिय और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उनके मुताबिक सरकारी व्यवस्था में लोगों की समस्याओं को पहले समझकर समाधान की दिशा में काम करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों की क्षमता बढ़ाने की जरूरत भी बताई। उन्होंने प्रशिक्षण और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा कराने वाली संस्थाओं को बदलती जरूरतों के साथ अपनी व्यवस्था में सुधार करते रहना चाहिए।

उन्होंने परीक्षा में देरी को लेकर भी समयबद्धता पर जोर दिया। उनका कहना था कि भर्ती परीक्षाओं में देरी का सीधा असर युवाओं के भविष्य पर पड़ता है।

यूपीएससी की स्थापना 1 अक्टूबर 1926 को लोक सेवा आयोग के रूप में हुई थी। इसके पहले अध्यक्ष सर रॉस बार्कर थे। 1937 में इसका नाम संघीय लोक सेवा आयोग हुआ। संविधान लागू होने के बाद 1950 में इसे संघ लोक सेवा आयोग का नाम मिला और संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ।

फ्लाइट संकट में कैप्टन स्मित की बहादुरी की चर्चा

मोदी समेत कई नेताओं ने साहस को सराहा

घायल होने के बावजूद कॉकपिट संभालने में जुटे

मोदी और नेतन्याहू ने की प्रशंसा

स्पाइसजेट में 10 साल से ज्यादा रहे

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की उड़ान में बुधवार को हुई घटना के बाद भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार की भूमिका की चर्चा हो रही है। उड़ान के दौरान कॉकपिट में झड़प के बाद विमान ने तेजी से ऊंचाई खोई और सऊदी अरब के तबुक में आपात लैंडिंग कराई गई। भारतीय दूतावास के अनुसार, उपचार के बाद स्मित की हालत स्थिर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मित के साहस, धैर्य और सूझबूझ की सराहना की। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन ने विमान में सवार लोगों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और वहां के राजदूत रुवेन अजार ने भी उनकी बहादुरी की प्रशंसा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राजदूत ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। स्मित मच्छार पहले स्पाइसजेट में काम कर चुके हैं। कंपनी के अनुसार उन्होंने वहां 10 साल से अधिक सेवाएं दीं और जून 2022 में फ्लाईदुबई से जुड़े। राजदूत के मुताबिक, घायल होने के बावजूद कॉकपिट का दरवाजा खोलने की उनकी कोशिश से यात्रियों और चालक दल को आगे की कार्रवाई का मौका मिला। घटना में करीब 174 यात्री सवार थे। मामले की जांच जारी

अहमदाबाद धमाका मामले में दोषी की फांसी पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को नोटिस दिया

निचली अदालत से मामले का रिकॉर्ड तलब किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाका मामले में दोषी ठहराए गए इंडियन मुजाहिदीन के सदस्य अहमद बावा उर्फ अब्बू अबुबकर बरलेवी की मौत की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया।

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने निचली अदालत से मामले का रिकॉर्ड भी तलब किया है। गुजरात हाईकोर्ट ने सात जुलाई को मामले में 38 दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी थी। वहीं 11 अन्य दोषियों की उम्रकैद की सजा भी कायम रखी गई थी।

26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद में करीब 70 मिनट के भीतर 21 सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इनमें 56 लोगों की मौत और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। विशेष अदालत ने फरवरी 2022 में 49 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इनमें 38 को मौत की सजा और 11 को उम्रकैद सुनाई गई थी।

यासीन मलिक समेत सात पर धनशोधन के आरोप तय

हवाला के जरिए 8.94 करोड़ लेने का आरोप

अगली सुनवाई तीस अक्टूबर को होगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली की विशेष एनआईए अदालत ने यासीन मलिक समेत सात आरोपियों के खिलाफ धनशोधन निवारण कानून के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, आरोपियों ने पाकिस्तान और अन्य आतंकी संगठनों से हवाला समेत विभिन्न माध्यमों से करीब 8.94 करोड़ रुपये हासिल किए। अदालत ने प्रथमदृष्टया उपलब्ध साक्ष्यों को आरोप तय करने के लिए पर्याप्त माना।

मामले में यासीन मलिक के अलावा जहूर अहमद शाह वटाली, अब्दुल राशिद शेख, शबीर अहमद शाह, नवल किशोर कपूर, मसरत आलम भट और ट्रिसन फार्म्स एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड आरोपी हैं।

ईडी ने 14 जून 2017 को धन के स्रोत और कथित लेनदेन की जांच के लिए शिकायत दर्ज की थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, वटाली के यहां से मिले दस्तावेजों में विदेशी फंडिंग से जुड़ी जानकारी सामने आई थी। दूसरी पूरक आरोपपत्र में यासीन मलिक को सऊदी अरब से 15.75 लाख रुपये मिलने का भी उल्लेख है।

30 सितंबर को सुरक्षा कारणों से कुछ आरोपियों को अदालत में पेश नहीं किया जा सका। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को निर्धारित की है। यासीन मलिक पहले से आतंकी फंडिंग मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

आरएसएस ने फिर उठाई देशभर में एनआरसी की मांग

मतदाता सूची में गलत नामों की पहचान जरूरी

नागरिकता पहचानने को लेकर प्रक्रिया शुरू करने की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देशभर में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की मांग दोहराई है। संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन भारतीय नागरिक है और कौन नहीं। उन्होंने मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल लोगों की पहचान की जरूरत भी बताई।

आंबेकर ने कहा कि नागरिकता को लेकर किसी को आपत्ति हो तो उसके समाधान के लिए कानूनी और न्यायिक रास्ते उपलब्ध हैं। उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून के तहत पात्र लोगों को नागरिकता देने और उनकी पहचान राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के माध्यम से करने की बात कही। उन्होंने जनसंख्या में बदलाव को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा से भी जोड़ा। देश में राष्ट्रीय स्तर पर एनआरसी लागू करने की कोई नई सरकारी अधिसूचना फिलहाल जारी नहीं हुई है। जनगणना और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बीच इस मुद्दे पर चर्चा फिर तेज हुई है। वर्ष 2019 में भी एनआरसी को लेकर व्यापक बहस हुई थी।

सूरत में तीन महिलाओं की हत्या का चार साल बाद खुलासा

घर के आंगन से मानव कंकाल बरामद हुए

पति की शिकायत से खुला हत्याओं का राज

ड्रम में शव रखकर सीमेंट से दफनाया

पत्नी को फंसाने की शिकायत से खुला राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के कोसांबा में तीन महिलाओं की हत्या का मामला चार साल बाद सामने आया है। अहमदाबाद अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस ने वडफालिया स्थित एक घर के आंगन से मानव कंकाल बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, माधवदास और उसकी पत्नी उर्मिला पर तीनों महिलाओं की हत्या का आरोप है।

मृतकों में उर्मिला की नानी शांताबेन, बहन भगवतीबेन और माधवदास की मां मंजुलाबेन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, 2022 में अलग-अलग समय पर तीनों की हत्या की गई। आरोप है कि तकिए से मुंह दबाकर हत्या करने के बाद मौत को बीमारी से हुई बताकर मामला छिपाया गया। पुलिस के मुताबिक, शांताबेन की हत्या के बाद शव को ड्रम में रखकर सीमेंट से बंद किया गया। बाद में इसे घर के आंगन में करीब चार से पांच फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया गया। ऊपर से सीमेंट की परत भी डाल दी गई। हाल में पति-पत्नी के विवाद के बाद माधवदास ने पुलिस में शिकायत देकर पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया था। पूछताछ में शिकायत संदिग्ध मिलने पर पुलिस ने उससे पूछताछ की। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में तीनों हत्याओं की जानकारी सामने आई। बरामद कंकालों को जांच के लिए भेजा गया है।

टीवी शो से सीखा विमान संभालना यात्री ने बचाई पायलट की जान

कॉकपिट में पहुंचकर यात्रियों ने हमलावर पकड़ा

टीवी शो से मिली जानकारी विमान बचाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब कॉकपिट में पायलटों के बीच विवाद के दौरान ओमानी सह-पायलट ने भारतीय पायलट स्मित मच्छर पर चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद विमान तेजी से नीचे जाने लगा। इसी दौरान यात्री यानिव हायून ने कॉकपिट में पहुंचकर हमलावर को काबू करने में मदद की।

हायून ने बताया कि कॉकपिट से चीखें सुनाई देने पर वह दूसरे यात्री के साथ वहां पहुंचा। भारतीय कप्तान घायल हालत में थे, जबकि हमलावर विमान उड़ा रहा था। हायून ने उसे कंट्रोल पैनल से दूर खींचा। बाद में तीन यात्रियों ने मिलकर उसके हाथ हेडफोन की तार से बांध दिए। हमलावर के काबू में आने के बाद विमान फिर तेजी से नीचे जाने लगा और करीब 16 हजार फीट तक नीचे आ गया। हायून ने कंट्रोल संभालकर विमान की नोज ऊपर उठाई। उसने बताया कि विमान के कंट्रोल के बारे में जानकारी उसे 'एयर डिजास्टर्स' टीवी शो देखकर मिली थी। बाद में रिजर्व क्रू ने कंट्रोल संभाला और विमान को तबूक में सुरक्षित उतारा। घायल पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी गई है।

धान-बाजरा खरीद को सज गए 30 क्रय केंद्र

धान का एमएसपी 2441, ग्रेड—ए 2461 और बाजरा 2900 रुपये प्रति कुंतल

यूनिक समय, मथुरा। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान और बाजरा की सरकारी खरीद को गुरुवार को दिन भर क्रय केंद्रों पर तैयारियां चलती रहीं। धान की खरीद 31 जनवरी तक, जबकि बाजरा की खरीद 31 दिसंबर तक की जाएगी। इसके लिए जिले में धान के 18 और बाजरा के 12 क्रय केंद्र बनाए गए हैं।

आज से धान और बाजरा क्रय केंद्रों पर खरीद को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। क्रय केंद्रों पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है, ताकि किसानों को उपज बेचने में किसी तरह की परेशानी न हो। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि क्रय केंद्रों पर खरीद की सभी तैयारियां पूर्ण हैं।

उन्होंने बताया कि धान की कॉमन श्रेणी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति कुंतल और ग्रेड-ए धान का 2461 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। वहीं बाजरा का एमएसपी 2900 रुपये प्रति कुंतल है। क्रय केंद्र सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक खुले रहेंगे।

उन्होंने बताया कि शासन से इस वर्ष धान और बाजरा खरीद का कुल लक्ष्य अभी प्राप्त नहीं हुआ है। पिछले वर्ष धान का लक्ष्य 5000 मीट्रिक टन था, जिसके सापेक्ष 292 किसानों से 2048.85 मीट्रिक टन धान खरीदा गया था। वहीं बाजरा का लक्ष्य 5800 मीट्रिक टन था, जिसके सापेक्ष 1558 किसानों से 5055.57 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा गया था।

स्व० श्रीमती शांति देवी

उठावनी / श्रद्धांजली

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड रहा है कि हमारी परम पूज्य श्रीमती शांति देवी का गोलोकवास दिनांक 30.09.26 को हो गया है। जिनकी उठावनी आज दिनांक 02.10.26 दिन शुक्रवार को महिला एवं पुरुषों की सायं 4 से 5 बजे तक अग्रवाल सेवा सदन, निकट चमेली देवी स्कूल, लाल दरवाजा, वृंदावन रोड़, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल:- श्री कृष्ण मुरारी शर्मा (पति) मनमोहन शर्मा, गौरव शर्मा (पुत्र) गुड़िया-जितेन्द्र, विनीता-भूपेन्द्र, पूजा-दीपक (पुत्री-दामाद) कृष्णा शर्मा, कार्तिक शर्मा (नाती) डॉ. विवेक शर्मा, दीपांशु, आयुष, नमन (धेवते) एवं समस्त शर्मा परिवार

प्रतिष्ठान:-

• गोविन्द एंटरप्राइजेस • गौरव प्रिंटिंग, मथुरा

स्व. श्यामबाबू खण्डेलवाल

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्य पिताजी श्री श्यामबाबू खण्डेलवाल का आकस्मिक निधन दिनांक 30/9/26 को हो गया है। उठावनी दिनांक 02/10/26 दिन शुक्रवार को सायं 3 से 4 बजे तक नेशनल चैम्बर, मसानी रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

पीयूष- सोनाली (पुत्र-पुत्रवधू) निधि-रजत (पुत्री-दामाद) दिवित (नाती) जीवल (धेवता) एवं समस्त ठाकुरिया परिवार

ससुराल पक्षः जितेन्द्र खण्डेलवाल, प्रहलाद झालनी (कटक), अमृतलाल खण्डेलवाल, विजय खण्डेलवाल (कटक), डा॰ अक्षय खण्डेलवाल (भुवनेश्वर)

नाबालिगों के इंटरनेट मीडिया खातों पर कसेगा शिकंजा

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते सदरग संस्था के पदाधिकारी।

सदरग संस्था ने सुप्रीम कोर्ट की पहल का किया स्वागत

बाल सुरक्षा के लिए वैधानिक नियम बनाने पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। नाबालिगों के इंटरनेट मीडिया इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट की हालिया पहल का बाल अधिकारों के लिए काम कर रही सदरग संस्था ने स्वागत किया है। संस्था ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा के लिए भारतीय कानूनों के अनुरूप प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए ऐसे वैधानिक प्रावधानों पर विचार करने को कहा है, जिनसे नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन सुनिश्चित हो सके। तीन सदस्यीय पीठ में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के साथ न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल रहे।

मामला जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की याचिका से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान नाबालिगों द्वारा स्वतंत्र रूप से अनुबंध करने की कानूनी क्षमता और इंटरनेट मीडिया खातों के संचालन का मुद्दा सामने आया। न्यायालय ने इस व्यवस्था को केवल दिशा-निर्देश तक सीमित न रखने और इंटरमीडियरी नियमों के तहत वैधानिक रूप देने की संभावना पर विचार करने को कहा। केंद्र ने मामले की जांच कर आवश्यक कदम उठाने की बात कही है।

सदरग संस्था के निदेशक माला भंडारी ने कहा कि ऑनलाइन मंचों पर बच्चों को यौन शोषण, तस्करी, सेक्सटॉर्शन, साइबर बुलिंग और निजी जानकारी के दुरुपयोग जैसे जोखिमों से बचाने के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि संस्था जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस के सहयोग से बाल अधिकार संरक्षण के लिए अभियान चला रही है। केंद्र ने इंटरनपेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के खाते खोलने पर वैधानिक रोक से जुड़े नियमों में बदलाव की बात भी अदालत के समक्ष रखी है।

रक्तदान दिवस पर रक्तदाता फाउंडेशन की सेवा सराहनीय

रक्तदान शिविर आयोजन के दौरान मौजूद पदाधिकारी।

जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में जुटी टीम

स्वस्थ लोगों से नियमित रक्तदान के लिए आगे आने की अपील

यूनिक समय, मथुरा। रक्तदान दिवस पर रक्तदाता फाउंडेशन की ओर से रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे सेवा कार्यों को रेखांकित किया गया। फाउंडेशन लंबे समय से रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों और उनके परिजनों की मदद कर रहा है।

संस्थापक अमित गोयल ने कहा कि रक्तदान ऐसा सामाजिक कार्य है, जिससे जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में मदद मिल सकती है। फाउंडेशन के कॉर्डिनेटर यतेंद्र फौजदार, गोबिंद खंडेलवाल और गोपाल खंडेलवाल सेवा कार्यों में सक्रिय हैं। टीम सदस्य सौरभ अरोरा, आशीष, राहुल, केशव, प्रिंस, प्रीतम और मोहित अग्रवाल सहित अन्य सदस्य रक्तदाताओं को जरूरतमंद मरीजों से जोड़ने में सहयोग करते हैं। फाउंडेशन ने लोगों से परिवार और मित्रों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

चार अक्टूबर को होगा सबजूनियर बालिका हैंडबाल का जिला स्तरीय ट्रायल

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश हैंडबाल संघ के तत्वावधान में प्रदेश स्तरीय समन्वय सबजूनियर बालिका हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन 8 से 11 अक्टूबर तक चित्रकूट में किया जाएगा। प्रतियोगिता में आगरा मंडल की टीम के चयन के लिए मंडल स्तरीय ट्रायल पांच अक्टूबर को आगरा में आयोजित होगा। इससे पहले मथुरा जिले की सबजूनियर बालिका हैंडबाल टीम के चयन के लिए जिला स्तरीय ट्रायल चार अक्टूबर को स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा स्थित जिला खेल कार्यालय में ट्रायल दोपहर 3 बजे से शुरू होगा। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने कहा कि ट्रायल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी अपनी जन्मतिथि के मूल प्रमाणपत्र के साथ आधार कार्ड भी लाना अनिवार्य होगा।

समाजसेवा और महिला सशक्तिकरण में शिल्पी केशोरिया सम्मानित

यूपी रत्न' सम्मान प्राप्त करतीं शिल्पी केशोरिया।

यूपी रत्न सम्मान से नवाजा, सामाजिक कार्यों की सराहना

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर स्थित सीएमएस ऑडिटोरियम में एआईसीओआई का 48वां वार्षिक उत्सव आयोजित हुआ। समारोह में द ब्रज शिल्पी फाउंडेशन की संस्थापक शिल्पी केशोरिया को समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और ब्रज संस्कृति के क्षेत्र में योगदान के लिए 'यूपी रत्न' सम्मान प्रदान किया गया।

शिल्पी केशोरिया महिलाओं और बालिकाओं के कौशल विकास, जरूरतमंद परिवारों की सहायता और दिव्यांगजनों के सहयोग से जुड़े कार्यों में सक्रिय हैं। उनके प्रयास महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर केंद्रित हैं। वहीं, वह ब्रज की संस्कृति, परंपराओं और श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए भी कार्य कर रही हैं। सम्मान मिलने पर उन्होंने इसे समाजसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रेरणा बताया। समारोह में अतिथियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कान्हा माखन स्कूल में पॉक्सो एक्ट पर जागरूकता

कार्यक्रम का शुभारंभ करते जिला जज विकास कुमार, सीजेएम नितिन कुमार आदि। साथ हैं कान्हा माखन ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल।

न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा की दी जानकारी

कानूनी अधिकारों और शिकायत प्रक्रिया के बारे में समझाया

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन पब्लिक स्कूल में गुरुवार को पॉक्सो एक्ट (बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम) पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और अनुचित व्यवहार की स्थिति में उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय प्रबंधक अनिल अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यशाला में न्यायिक अधिकारियों और विधि विशेषज्ञों ने पॉक्सो एक्ट के प्रमुख प्रावधानों, व्यक्तिगत सुरक्षा, अच्छे-बुरे स्पर्श, शिकायत प्रक्रिया और कानूनी सहायता के बारे में विद्यार्थियों को सरल भाषा में जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि किसी असहज या अनुचित परिस्थिति में बच्चे घबराएं नहीं, बल्कि तत्काल माता-पिता, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को जानकारी दें।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, सिविल जज वरिष्ठ खंड, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनीता सिंह, सिविल जज कनिष्ठ खंड मीनाक्षी बंसल, अधिवक्ता संगीता शर्मा और लीगल वॉलंटियर अंजली चौहान ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विद्यार्थियों ने सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रधानाचार्य प्रमोद शर्मा सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान में जुटी मथुरा रिफाइनरी

स्वच्छता अभियान चलाते रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक मुकुल अग्रवाल और अधिकारी।

नगर प्लाजा में स्वच्छता शपथ के बाद चला अभियान

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मथुरा रिफाइनरी ने 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' पहल में सहभागिता करते हुए सामूहिक श्रमदान किया। अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। एमआर नगर स्थित नगर प्लाजा में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता शपथ लेते हुए मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक-रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई किसी एक अभियान या विशेष दिन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे रोजमर्रा की आदत बनाना जरूरी है। साथ ही नगर प्लाजा और आसपास के क्षेत्र में श्रमदान किया गया। रिफाइनरी कर्मियों और अन्य प्रतिभागियों ने मिलकर परिसर और आसपास की जगहों की सफाई की।